RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 अंक : 190 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 30 जून, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

छात्र ही भारत के भविष्य की नींव : द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह में 576 छात्रों को दी उपाधियां

बरेली (एजेंसी)। आज के छात्र ही भारत के भविष्य की नींव हैं। इन्हीं के कंधों पर देश का विकास निर्भर है। यह बात कही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने। वे आज बरेली के भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में आयोजित 11वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में शामिल होकर मेधावियों को पदकों से सम्मानित किया। वह सुबह करीब 9:50 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से त्रिशूल एयरबेस पर उतरीं। यहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी भी मौजूद रहे।

बारिश के बीच राष्ट्रपति का विमान त्रिशूल एयरबेस पर उतरा। यहां से वह सीधे आईवीआरआई

परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार पहुंचीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने स्नातक, मास्टर और डॉक्टरेट डिग्री के कुल आठ विद्यार्थी को अपने हाथ से प्रमाण पत्र व गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। उन्होंने स्नातक डिग्री पाने वाली डॉ. तान्या चौधरी, डॉ. अतुल प्रताप सिंह को उपाधि व गोल्ड मेडल प्रदान किया। वहीं मास्टर डिग्री पाने वाले डॉ. नवजोत सिंह ठाकुर, डॉ. सेलस सीएम, डॉ. खुशबू चौधरी और डॉक्टरेट की डिग्री पाने वाले डॉ. राज कुमार पटेल, डॉ. मेघा शर्मा, डॉ. अमिता बानू को भी प्रमाण पत्र व गोल्ड मेडल प्रदान किए।

दीक्षांत समारोह में बीवीएससी एंड एएच के 41, एमवीएससी के 328, पीएचडी के 207 सहित कुल 576 विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। समारोह में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों का ड्रेस कोड निर्धारित किया गया। छात्र सफेद कुर्ता-पायजामा और छात्राएं लाल बॉर्डर की सफेद साड़ी पहनकर ही समारोह में शामिल हुईं। राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर त्रिशूल एयरबेस से आईवीआरआई परिसर तक सड़क के दोनों ओर बल्लियां लगाकर बैरिकेडिंग कराई गई। रास्ते में पड़ने वाले चौराहों को फूलों से सजाया गया।

राष्ट्रपति के आगमन के देखते हुए प्रशासन की ओर से शहर के दो निजी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल व आईवीआआई परिसर को सेफ हाउस बनाया गया। जहां पर चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ की पूरी व्यवस्था की गई। राष्ट्रपति के काफिले में दो एएलएस एंबुलेंस भी मौजूद रहीं। वहीं, राष्ट्रपति की वापसी तक सभी चिकित्सा अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वीवीआईपी आज करीब दो घंटे बरेली में रहे। सुरक्षा के मद्देनजर कई मार्गों पर डायवर्जन किया गया। इसके अलावा कई मार्गों पर सभी प्रकार के हल्के व भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया गया है। सुबह चार से शाम चार बजे तक डायवर्जन प्रभावी रहेगा।

कर्ज से परेशान कपड़ा कारोबारी ने पत्नी तथा बेटी संग की आत्महत्या

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में रविवार की रात कपड़ा कारोबारी ने पत्नी और बेटी के साथ आत्महत्या कर ली। आज सुबह तीनों की लाशें फ्लैट पर मिलीं। उनके मुंह से झाग निकल रहा था। इससे जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की आशंका जताई जा रही है। सुबह घरवालों को जानकारी हुई तो घर में चीख पुकार मच गई। पास में रखा एक सुसाइड नोट भी मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना चौक कोतवाली क्षेत्र के अशरफाबाद की है। यहां के रहने वाले कपड़ा कारोबारी शोभित (48), पत्नी (45) सुचिता और उनकी बेटी ख्याति (16) की मौत हुई है। उनके पास से मिले सुसाइड नोट में कर्ज से परेशान होकर जान देने की बात लिखी गई है। बताया गया कि शोभित राजाजीपुरम में कपड़े की दुकान चलाते थे। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

ट्रक से टकराई रोडवेज बस

बस चालक ने दम तोड़ा, कई सवारियां घायल

नोएडा (चेतना मंच)। धूम मानिकपुर गांव के पास जीटी रोड पर डिवाइडर के पास विपरीत दिशा में खड़े ट्रक से तेज गति में आ रही रोडवेज बस टकरा गई। इस हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और कई सवारियों को चोटें आईं। रोडवेज के बस चालक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जनपद मैनपुरी निवासी सुधीर कुमार मैनपुरी डिपो में रोडवेज में संविदा पर चालक के पद पर नियुक्त था। (शेष पृष्ठ-4 पर)

सड़क हादसे में घायल

वहीं थाना रबूपुरा क्षेत्र के ग्राम होंडा नगला की तरफ से तेज गति में आ रहे बुलेट के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार पूर्व सैनिक घायल हो गया। मथुरा निवासी अजय सिंह उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम की तरफ से जमुना प्राधिकरण में गनमैन की पोस्ट पर तैनात है। 28 जून को वह सेक्टर-32 में अपनी ड्यूटी के लिए बाइक से जा रहा था। सूर्य कंपनी के पास ग्राम नगला हांडा की तरफ से तेज गति में रॉन्ग साइड से आ रहे बुलेट बाइक के चालक ने अजय के बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अजय की दोनों टांग टूट गई और हाथों में भी चोट आई। हादसे की जानकारी मिलने पर सेक्टर-32 में ड्यूटी पर तैनात गनमैन मनविंदर सिंह गाड़ी लेकर पहुंचा और घायल अजय सिंह को उपचार के लिए अस्पताल ले गया। इस संबंध में घायल के भाई नरेंद्र सिंह ने बुलेट बाइक चालक शाहरुख के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में भीषण धमाका

रिएक्टर में विस्फोट से 10 लोगों की मौत, 20 घायल

संगारेड्डी (एजेंसी)। तेलंगाना के संगारेड्डी में एक फार्मा कंपनी में बड़ा धमाका हो गया। फार्मा कंपनी में लगी आग इतनी भयानक थी कि कई लोग इसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में 10 लोगों की मौत की आशंका है और 20 लोग घायल हैं।

तेलंगाना फायर अधिकारियों के अनुसार, यह धमाका मेडक के पसामैलाराम फेज 1 में स्थित सिगाची फार्मा कंपनी में हुआ। इस कैमिकल कंपनी में अचानक रिएक्टर ब्लास्ट हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही फायर

विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

हैदराबाद से महज कुछ ही दूरी पर स्थित इस कैमिकल फैक्ट्री में आज सुबह 9 बजे के आसपास तेज धमाका हुआ। धमाके के बाद पूरी फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। फैक्ट्री से उठ रहे धुएं के गुबार को दूर से ही देखा जा सकता था। इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की जानकारी मिलते ही फायर विभाग की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची पुलिस ने फौरन (शेष पृष्ठ-4 पर)

अवैध असलाह समेत दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से अवैध असलाह के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तमंचे से लैस बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इराते से घूम रहे थे। थाना सेक्टर-113 पुलिस गश्त पर थी। पुलिस को देखकर सोरखा टी पॉइंट के पास एक युवक सकपका कर जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस ने युवक को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम राहुल भाटी पुत्र नंदवीर भाटी निवासी ग्राम चीती नगला थाना दनकौर बताया। वहीं थाना जारचा पुलिस ने एनटीपीसी रोड के पास चैकिंग के दौरान गौशाला के गेट के पास से एक युवक को हिरासत में लिया। तलाशी में उसके पास से भी एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम अजय पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी ग्राम सलारपुर कला थाना जारचा बताया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

25 हजार के इनामी बदमाश को किया लंगड़ा

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र में पुलिस और अपराधी के बीच सोमवार को मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश जितेंद्र को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 15 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, कविनगर थाना पुलिस टीम डायमंड चौराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध चार पहिया वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रोकने का प्रयास किया तो चालक ने तेजी से वाहन मोड़ा, जिससे वह एक पेड़ से टकरा गया। इसके बाद गाड़ी से एक व्यक्ति बाहर निकला और पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगा। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश को तुरंत (शेष पृष्ठ-4 पर)

मादक पदार्थ तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, 100 किलो गांजा बरामद

नोएडा (चेतना मंच)।

थाना फेस-2 पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 100 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत कई लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर की है।

गिरफ्तार तस्करों ने पूछताछ में खुलासा किया कि वे उड़ीसा से गांजा लाकर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई करते थे। पुलिस चेकिंग से बचने के लिए ये लोग निजी वाहनों की बजाय ट्रेन के माध्यम से गांजा लाते थे और फिर उसे विभिन्न ठिकानों पर वितरित किया जाता था।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में नशे के सिंडिकेट को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व में भी पुलिस ने भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद कर कई तस्करों को जेल भेजा है। यह कार्रवाई उसी कड़ी का हिस्सा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कमिश्नरेट पुलिस नशे के सौदागरों के खिलाफ कोई रियायत नहीं बरत रही।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश जारी है और जल्द ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। बरामद गांजे की वजन व गुणवत्ता के अनुसार फॉरेंसिक परीक्षण कराया जा रहा है।

बकायेदार बिल्डर्स पर सीईओ ने कसा शिकंजा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बकायेदार बिल्डर्स को कड़ा संदेश दिया है। उनका स्पष्ट कहना है कि कुल बकाया राशि में से 25 फीसदी बकाया जमा करने के बाद ही को-डवलपर नीति पर विचार किया जा जाएगा। इसी के साथ बिल्डर्स को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) तथा अदालत में लंबित मुकदमे वापस लेने होंगे।

नोएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

● 25 फीसदी बकाया रकम जमा करने पर होगा को-डेवलपर नीति पर विचार

हाल ही में बिल्डरों ने अपनी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए को-डेवलपर की नीति प्राधिकरण से मांगी थी। प्राधिकरण ने बोर्ड बैठक में को डेवलपर नीति को रखकर चेयरमैन से अनुमोदित कराया गया। नीति के तहत क्लाउड 9 को अनुमति प्रदान की गई, क्योंकि उसने कुल बकाया राशि 84 करोड़ रुपये का 25 फीसदी राशि 21 करोड़ रुपये प्राधिकरण के खाते में जमा कराया। साथ ही अजनारा व सुपरटेक ने भी प्राधिकरण में को डेवलपर के लिए आवेदन किया था, लेकिन सुपरटेक पांच प्रतिशत व अजनारा 25 प्रतिशत राशि देने को तैयार था, लेकिन दोनों के प्रकरण को प्राधिकरण ने खारिज कर दिया, क्योंकि सुपरटेक रोमानो और अजनारा एम्ब्रोशिया जिस भूखंड पर तैयार (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा महानगर कांग्रेस की 31 सदस्यीय कमेटी गठित

7 उपाध्यक्ष, 8 महासचिव व 12 सचिव किए गए नियुक्त

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित कर दी गयी है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने नई कमेटी को मंजूरी प्रदान कर दी है।

कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने बताया कि नई कार्यकारिणी में 7 उपाध्यक्ष, 8 महासचिव, 12 सचिव, 1 कोषाध्यक्ष, 1 मीडिया प्रभारी तथा 1 कार्यालय सचिव को तरजीह दी गई है। कोषाध्यक्ष का पद संजय तनेजा, मीडिया प्रभारी का पवन शर्मा तथा कार्यालय सचिव की जिम्मेदारी रामकुमार को सौंपी गई है।

वहीं उपाध्यक्ष पद पर चरण सिंह यादव, ललित अवाना, राजकुमार भारती, विक्रम चौधरी, यतेन्द्र शर्मा, डा. सीमा, दिनेश अवाना, महासचिव की जिम्मेदारी राजकुमार त्यागी, कैप्टन पीएस रावत, राजकुमार, विक्रम सेठी, उदयवीर यादव, एसएस सिसौदिया, सुमन राय तथा दयाशंकर पांडे को सौंपी गई है।

जबकि सचिव पद पर मधुराज, पंकज बेनीवाल, मजहर हुसैन, ईश्वर कुमार, रहमतउल्ला, सुल्तान सिंह, साजिद खा, निरंजन सिंह, बीरो देवी, विपिन कुमार, वरूण कुमार शर्मा तथा राज कुमारी की ताजपोशी की गई है।

बसने से पूर्व उजड़ने लगा कांग्रेस का कुनबा

नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी गठित होते ही दो महासचिवों ने अपना इस्तीफा भी दे दिया है। महासचिव एसएस सिसौदिया तथा महासचिव दयाशंकर पांडे ने महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव को अपना इस्तीफा भी भेज दिया है। उनका कहना है कि किसी कारणवश वे महासचिव का दायित्व निभाने में असमर्थ हैं। वे पार्टी के सदस्य बने रहेंगे तथा हर कार्यक्रम में शामिल होंगे। दो महासचिवों के इस्तीफे के बाद तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गयी हैं। बताया जाता है कि दोनों ही महासचिव उपाध्यक्ष का पद मांग रहे थे लेकिन उन्हें महासचिव बना दिया गया। जिससे वे असंतुष्ट हैं।

भाजपा के सात मंडलों के कार्यकारिणी की घोषणा आज

नोएडा (चेतना मंच)। काफी दिनों से प्रतीक्षित नोएडा महानगर भाजपा मंडलों की कार्यकारिणी आज घोषित होने की संभावना है। आज मेरठ में होने वाली क्षेत्रीय कमेटी की बैठक में कार्यकारिणी को हरी झंडी दी जा सकती है।

भाजपा के सूत्रों के मुताबिक भाजपा के नोएडा में 8 मंडल हैं। जिसमें सरस्वती शिशु मंडल को छोड़कर बाकी 7 मंडलों के अध्यक्ष पहले ही नियुक्त कर दिए गए हैं। इन सभी मंडलों की कार्यकारिणी पहले ही हाईकमान को भेज दी गई थी। जिस पर आज मोहर लगने की संभावना जताई जा रही है। इस कार्यकारिणी में जातिगत समीकरणों के मददेनजर कार्यकर्ताओं को तरजीह दिये जाने का दावा किया गया है।

सरस्वती शिशु मंडल के अध्यक्ष की घोषणा 7-8 दिनों में

नोएडा में सरस्वती शिशु मंडल के अध्यक्ष की घोषणा भी 7-8 दिनों के अंदर होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पार्टी के अंतरंग सूत्रों की माने तो 7-8 दिनों में अध्यक्ष की घोषणा की जा सकती है। बता दें कि फिलहाल सत्यनारायण महावर मंडल के कार्यवाहक अध्यक्ष की कमान संभाले हुए हैं। इस मंडल के अध्यक्ष पद की दौड़ में सत्यनारायण महावर के अलावा दीपक शर्मा तथा अमित नागपाल के नाम प्रमुख तौर पर है। इन तीनों में किसी एक का मंडल अध्यक्ष घोषित होना तय है। मंडल के कार्यकर्ता हाईकमान की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बीमा का सुरक्षा कवच

जीवन में असुरक्षा, स्वास्थ्य व अपनों के भविष्य की तमाम चिंताओं से मुक्ति के लिये कोई व्यक्ति बीमा का सुरक्षा कवच लेने को बाध्य होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह विश्वास होता है कि ऊंच-नीच के वक्त में यह बीमा मददगार साबित होगा। लेकिन विडंबना यह है कि जिस बीमा क्षेत्र का आधार विश्वास होना चाहिए, उसको लेकर पॉलिसी धारकों में लगातार अविश्वास बना रहता है। बीमा कराने वाले एजेंटों और कंपनियों की ढकी-छिपी शर्तें उपभोक्ताओं के मन में अकसर संशय के बीज बोती हैं। जब बीमाधारकों को पॉलिसी का लाभ लेने का वक्त आता है तो उन्हें तमाम जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हाल में आयोजित किए गए सर्वेक्षण ने इस वास्तविकता पर मोहर ही लगायी है। सर्वेक्षण बीमा क्षेत्र की तमाम विसंगतियों को उजागर ही नहीं करता बल्कि एक कठोर वास्तविकता की ओर भी इशारा करता है। सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि बीमा क्षेत्र में व्याप्त तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिये लगातार निगरानी करने वाले एक सख्त नियामक तंत्र की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कई गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हैं। इसके निष्कर्षों के अनुसार भारत के लगभग 65 फीसदी बीमा पॉलिसी धारकों को नहीं पता होता है कि उन्हें पॉलिसी लेने से कौन-कौन से लाभ होते हैं। उन्हें नहीं मालूम कि पॉलिसी से बाहर निकलने की प्रक्रिया कैसी है। यह भी नहीं मालूम कि दावा प्रक्रिया की आवश्यक कार्यवाही को उन्हें कैसे अंजाम देना है। इतना ही नहीं लगभग 60 फीसदी आश्रितों को यह भी नहीं पता कि वे किसी पॉलिसी के अंतर्गत कवर हैं। वे इस बात से अनजान हैं कि उन्हें किस चीज व किस स्थिति में बीमा लाभ मिलेगा। कमोबेश यह स्थिति तब है जब देश में बीमा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। निस्संदेह, यह समझ की कमी केवल उस शब्दावली से ही नहीं उपजी है जिसे समझना मुश्किल है, बल्कि बीमा करते समय उपभोक्ता को उसकी प्रक्रिया और लाभों का सिर्फ एक पक्ष ही बताया जाता है। कई वास्तविकताएं शब्दजाल में छिपा ली जाती हैं। निश्चित रूप से बीमा का मूल उद्देश्य तब विफल हो जाता है, जब बीमाकर्ता उपभोक्ताओं को सही ज्ञान और लाभ लेने की वास्तविक प्रक्रिया की जानकारी देने के मूल कर्तव्य में विफल हो जाता है। दरअसल, विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री भी एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है। जो कि पहले ही चरण में वित्तीय सुरक्षा के अंतिम लक्ष्य को कमजोर कर देती है। आम धारण बन गई है कि बीमा उद्योग इससे जुड़ी कंपनियों के आर्थिक हितों और जन के हितों के टकराव के रूप में स्थापित है। इसमें जनहित की प्राथमिकता नहीं होती बल्कि कंपनी का मुनाफा कमाने को तरजीह दी जाती है। अपना टारगेट पूरा करने के लिये उपभोक्ताओं को जबरन पॉलिसी चिपकाने वाले एजेंटों से लेकर ऐसे फील्ड अफसरों की लंबी सूची है, जिनकी प्राथमिकता बीमा कंपनी को लाभ पहुंचाने की ही होती है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगी की कीमत पर बीमाकर्ता व अस्पतालों के अपवित्र गठबंधन ने इसकी विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाये हैं। दरअसल, विनियामक नियंत्रण अपर्याप्त पाए गए हैं। इसके अलावा जवाबदेही का घोर अभाव पाया गया है। इसके साथ ही बीमा पॉलिसियों को लेकर पारदर्शिता की भारी कमी पायी जाती है। बीमा पॉलिसी के प्रावधानों और लाभ को लेकर सरलीकृत भाषा की हमेशा कमी महसूस की जाती है। इन मुद्दों को लेकर विभिन्न परिवारों और मित्रों में बीमा कवरेज को लेकर उत्साहजनक चर्चाएं समय की मांग है। वास्तव में जिस चीज को प्राथमिकता दी जाने की जरूरत है, वह है लेन-देन के दृष्टिकोण में बदलाव लाना। निस्संदेह, बीमा महज व्यापारिक लेन-देन मात्र नहीं है। बीमा उत्पादों से मानवीय पक्ष सशक्त रूप में जुड़ा होता है। हर हाल में उपभोक्ता कल्याण को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बीमा धोखाधड़ी में जोखिम कारक को ध्यान में रखते हुए, जांच पर निर्भर रहना सामान्य बात है। यह किसी भी तरह से दावेदारों पर एक जटिल और परेशान करने वाली प्रणाली का बोझ डालने को उचित नहीं ठहरा सकता। दावों को अस्वीकार करने के बजाय उनका सम्मान करना उद्योग का मानक होना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि दिक्पालों के सारे सुंदर लोकों को रावण ने सूना पाया। वह बार-बार भारी सिंहगर्जना करके देवताओं को ललकार-ललकारकर गालियाँ देता था॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

रन मद मत्त फिरइ गज धावा। प्रतिभट खोजत कतहुँ न पावा॥
रबि ससि पवन बरुन धनधारी। अगिनि काल जम सब अधिकारी॥

रण के मद में मतवाला होकर वह अपनी जोड़ी का योद्धा खोजता हुआ जगत भर में दौड़ता फिरा, परन्तु उसे ऐसा योद्धा कहीं नहीं मिला। सूर्य, चन्द्रमा, वायु, वरुण, कुबेर, अग्नि, काल और यम आदि सब अधिकारी, ॥

किंनर सिद्ध मनुज सुर नागा। हठि सबही के पंथहिं लागा॥
ब्रह्मसृष्टि जहँ लगि तनुधारी। दसमुख बसबर्ती नर नारी॥

किन्नर, सिद्ध, मनुष्य, देवता और नाग-सभी के पीछे वह हठपूर्वक पड़ गया (किसी को भी उसने शांतिपूर्वक नहीं बैठने दिया)। ब्रह्माजी की सृष्टि में जहाँ तक शरीरधारी स्त्री-पुरुष थे, सभी रावण के अधीन हो गए॥

आयसु करहिं सकल भयभीता। नवहिं आइ नित चरन बिनीता॥

डर के मारे सभी उसकी आज्ञा का पालन करते थे और नित्य आकर नम्रतापूर्वक उसके चरणों में सिर नवाते थे॥

(क्रमशः...)

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्ट सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषत: इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था।

पाक और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूबों को लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है। एससीओ की घोषणा में अगर यह आरोप लगाया गया है कि बलूचिस्तान की गड़बड़ी में भारत शामिल है, तो फिर भारत को ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार करने की जरूरत है। ऐसे झूठे एवं भ्रामक तथ्यों का प्रतिकार जरूरी है। ऐसे झूठ को फैलाकर ही पाक दुनिया से सहानुभूमि जुटाता रहा है। इसलिये किसी भी ऐसे विश्व स्तरीय सम्मेलन में अपनी बात भी पुरजोर ढंग से तथ्यपरक तरीके से रखनी चाहिए। वहां पारित होने वाले प्रस्तावों के प्रति रक्षामंत्री की भांति ज्यादा संवेदनशील एवं सख्त होने की जरूरत है। भारत अपनी इसी नीति को दोहरा कर शत्रु मानसिकता वाले देशों को सबक दे सकेगा। पाक के प्रति भारत की सख्ती हर मोर्चे पर दिखाई दे। भले ही पाक हकीकत न देखने की गलती दोहराता रहे। अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित तथा प्रयोग करने वालों को इसके परिणाम भुगतने ही होंगे। ऐसा करते हुए वह कंगाल होने की कगार पर पहुंच चुका है, वह लगातार गरीबी और कमजोरी का शिकार हो रहा है। आतंकवाद को पोषित करते हुए यह देश अन्य देशों की दया पर आश्रित होता जा रहा है। लेकिन भीख में मिली दया या अनुदान से कब तक खुद को कायम रख पायेगा?

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार

बाढ़जनित हादसों में कब तक होती रहेगी जन-धन की हानि

देश में सरकारी मशीनरी की तंद्रा तब भंग होती है, जब कोई बड़ा हादसा हो जाए। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकारी तंत्र जागने के लिए बड़े हादसे की इंतजार में रहता है। पहले हुए हादसों से सबक सीखने की जरूरत महसूस नहीं की जाती। इसकी प्रमुख वजह है जिम्मेदारी का अभाव। यदि यह जिम्मेदारी तय कर दी जाए कि किसी तरह के हादसे के जिम्मेदारी संबंधित विभागों के अफसरों की होगी और हादसा होने की सूरत में उन्हें सख्त सजा मिलेगी, तभी हादसों पर लगाम लगाई जा सकती है। अभी मानसून की शुरुआत है। हर साल मानूसन के दौरान देश में बाढ़ जनित हादसों में सैकड़ों लोगों की मौत होती है। भारी बारिश से देश को अरबों रुपयों की सम्पत्ति का नुकसान होता है। जन-धन की इस हानि की किसी जिम्मेदारी तय नहीं है। आखिर कौन हर साल होने वाले ऐसे हादसों के लिए जिम्मेदार है। हादसा होने के बाद सिर्फ लकीर पीटी जाती है। ऐसे उपाय नहीं किए जाते कि हादसों की पुनरावृत्ति नहीं हो, या फिर इनकी संख्या में कमी लाई जा सके।

भारत में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में तेजी से वृद्धि हुई है। 2013-2022 के दशक में हर साल औसतन 8 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 66,000 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह 2003-2012 के दशक की तुलना में 125 फीसदी अधिक है, जब यह आंकड़ा 3.8 अरब डॉलर था। वर्ष 2024 के नुकसान की गणना अभी बाकी है, जो इतिहास में भारत का सबसे गर्म साल रहा है। यह वृद्धि बताती है कि या तो प्राकृतिक आपदाएं अधिक बार आ रही हैं, अधिक गंभीर हो गई हैं, या दोनों ही बातें हो रही हैं।

1970 से 2021 तक का डेटा दिखाता है कि समय के साथ प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कुछ वर्षों में नुकसान की मात्रा में बड़ी छलांग देखी गई, जो विनाशकारी घटनाओं, जैसे कि बड़े चक्रवातों, बाढ़, या सूखे के कारण हुई। वर्ष 2023 में, भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013-2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार, ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। स्विस रे एक प्रमुख पुनर्बीमा कंपनी है, जो विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट और अध्ययन प्रकाशित करती है।

जून 2023 में, चक्रवात बिपरजॉय ने गुजरात के कच्छ जिले में भारी नुकसान पहुंचाया। इसके कारण सौराष्ट्र और कच्छ के सभी बंदरगाह, जैसे कांडला और मुंदरा बंदरगाह, बंद हो गए। तेज हवाओं, भारी बारिश और समुद्री तूफान ने राज्य में भारी तबाही मचाई। इस चक्रवात ने महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों को भी प्रभावित किया। दिसंबर 2023 में, चक्रवात मिकाउंग के चलते चेन्नई में भारी बारिश और बाढ़ के कारण बड़े नुकसान हुए। इसके अलावा, जुलाई 2023 में उत्तरी भारत और सिक्किम में आई बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को बुरी तरह प्रभावित किया। स्विस रे के विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। भारत में गर्मी का मॉनसून (जून से सितंबर) और पूर्वोत्तर मॉनसून (अक्टूबर से दिसंबर) भारी बारिश लाते हैं, जिससे गंभीर बाढ़ की स्थिति पैदा होती है। कुछ बड़ी घटनाओं में 2005 में मुंबई, 2013 में उत्तराखंड, 2014 में जम्मू और कश्मीर, 2015 में चेन्नई और 2018 में केरल की बाढ़ शामिल हैं। साल 2023 में उत्तर भारत की बाढ़ ने भी एक अरब डॉलर से अधिक का नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट कहती है कि नुकसान में वृद्धि के कई कारण हैं। इनमें जलवायु परिवर्तन प्रमुख है। बढ़ते तापमान से चक्रवात, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ी है। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ता निर्माण और आबादी आपदा के समय अधिक नुकसान का कारण बनते हैं। बाढ़ जैसी आपदाओं से सड़कों, पुलों और सार्वजनिक उपयोगिताओं जैसे बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान होता है। इससे ना केवल आर्थिक गतिविधियां बाधित होती हैं बल्कि यह लोगों की जिंदगी को भी प्रभावित करता है। कुदरती आपदाओं के कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घरों का बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। इससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं और फिर से निर्माण में भारी खर्च आता है। प्राकृतिक आपदाओं से भारत के कुछ क्षेत्र अधिक प्रभावित हैं। तटीय राज्य, जैसे ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल अक्सर चक्रवात और समुद्री तूफानों का सामना करते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे गंगा के मैदान हर साल बाढ़ से प्रभावित होते हैं। राजस्थान और गुजरात बार-बार सूखे का सामना करते हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे हिमालयी क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिए संवेदनशील है। साथ ही, मुंबई, चेन्नई और दिल्ली जैसे बड़े शहर बाढ़ और जलभराव के लिए अधिक संवेदनशील हैं। वर्ष 2005 की मुंबई बाढ़ और 2015 की चेन्नई बाढ़ भारत की सबसे महंगी प्राकृतिक आपदाओं में से हैं। इनसे क्रमशः 5.3 अरब डॉलर और 6.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। रिपोर्ट कहती है कि इन घटनाओं से स्पष्ट है कि बेहतर योजना और आपदा प्रबंधन की सख्त जरूरत है।

जलवायु परिवर्तन के चलते भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है। स्विस रे के मुताबिक भारत को आपदा प्रबंधन और तैयारी के लिए बेहतर कदम उठाने होंगे और ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा जो आपदाओं का सामना कर सके। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए स्विस रे की रिपोर्ट में कुछ उपाय भी सुझाए गए हैं। जैसे कि डेटा और प्रभावित केंद्रों की पहचान कर संवेदनशील क्षेत्रों का विस्तृत नक्शा बनाना होगा। आधुनिक तकनीकों और डेटा का इस्तेमाल कर नुकसान का सटीक आकलन किया जाए। ऐसी बीमा योजनाएं तैयार की जाएं, जो अधिक लोगों तक पहुंच सकें और प्राकृतिक आपदाओं के बाद वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकें। फ़रवरी 2021 में उत्तराखंड में एक हिमनद के फटने के कारण बर्फ, हिम और मलबे का स्खलन होने से व्यापक %फ्लैश फ्लड% उत्पन्न हुआ। भारत में बाढ़ प्रतिवर्ष लगभग 75 लाख हेक्टेयर भूमि क्षेत्र को प्रभावित करती है और फसलों, घरों एवं सार्वजनिक उपयोगिताओं की क्षति के रूप में 1,805 करोड़ रुपए मूल्य की हानि का कारण बनती है। सवाल यह है कि आखिर देश के लोग बाढजनित आपदाओं की मार कब तक झेलते रहेंगे। हर साल होने वाली मौतें और हजारों करोड़ की सम्पत्ति की बर्बादी आखिर कब थमेगी। सिर्फ प्रकृति को दोष से देने से जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। लापरवाही की बहानेबाजी का यह सिलसिला तब तक चलता रहेगा, जब तक सजा का कठोर प्रावधान नहीं होगा।

- योगेन्द्र योगी

राशिफल

आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष पंचमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भाग्यवश कुछ काम बन सकते हैं। राह की विघ्न-बाधा खत्म हो चुकी है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। कोई रिस्क न लें। बचकर पार करें। प्रेम-संतान ठीक ठाक।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात संभव है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु परास्त होंगे। कार्यों में विघ्न-बाधा रहेगी लेकिन संपन्नता भी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय होगा। लेखकों के लिए अच्छा समय।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार, धन-दौलत बहुत अच्छा रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
खर्च की अधिकता रहेगी। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा बना रहेगा। चिड़चड़ापन बना रहेगा। प्रेम-संतान व व्यापार अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। मन प्रसन्न रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। प्रेम-संतान का साथ होगा। व्यापार बहुत अच्छा रहेगा। पीली वस्तु पास रखें।

भाजपा ने जिले के 1116 बूथों पर सुनी 'मन की बात'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने 29 जून को जनपद के सभी 1116 बूथों पर एक साथ तीन प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन कर संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन किया। इन कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का सामूहिक श्रवण, वृक्षारोपण अभियान और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर गोष्ठियों का आयोजन शामिल रहा।

भाजपा जिला कार्यालय पर कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई, जिसमें संयोजकों एवं प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया। जिलाध्यक्ष शर्मा ने बताया कि प्रत्येक बूथ पर 11 पौधे लगाए गए हैं, जिसके तहत जनपद में कुल 14,000 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। आगे चलकर कार्यकर्ताओं के माध्यम से कुल 40,000 पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और जनजागरूकता भी बढ़ेगी। प्रत्येक बूथ पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर गोष्ठी आयोजित कर कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रदेश महामंत्री एवं एमएलसी सुभाष यदुवंशी ने कहा कि यह अभियान संपूर्ण प्रदेश और देश में एक साथ संपन्न हुआ है, जिससे पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और अनुशासन की झलक मिलती है। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी ने भी इन कार्यक्रमों की सफलता को बूथ कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम बताया।

कावेरी बिल्डर के खिलाफ प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर डेल्टा-1 के निवासियों ने आरडब्लूए के आह्वान पर सेक्टर के बारात घर में एकत्र होकर कावेरी बिल्डर द्वारा सेक्टर की सुरक्षा दीवार तोड़े जाने के खिलाफ सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। बैठक में सेक्टर के सैकड़ों निवासी शामिल हुए और एक स्वर में बिल्डर की इस कार्यवाही का विरोध किया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यह विरोध फिलहाल प्रतीकात्मक है। यदि एक सप्ताह के भीतर दीवार का पुनर्निर्माण नहीं किया गया, तो सेक्टर की महिलाएं और बच्चे भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के समक्ष धरना-प्रदर्शन करेंगे।

इस अवसर पर आरडब्लूए अध्यक्ष जितेंद्र भाटी, महासचिव ऋषिपाल, सतीश शर्मा, विनोद नागर, एडवोकेट दीपक भाटी, प्रमोद भाटी, अहलकार प्रधान, जिते भाटी, बाबूराम फौजी, भूपेंद्र शर्मा, धीरज मीणा, संजय भाटी, सुबीर घोष, हरवीर छौकर, एडवोकेट अशोक भाटी, सुरेंद्र शर्मा, मनोज कुमार, पवन खारी, नीरज शर्मा, रूप किशोर, मुकेश सैनी, सिंहराज भाटी, प्रवेश झाम, राकेश तिवारी, ऋ षेंद्र यादव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी की हुई घोषणा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने 29 जून को जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर की नवगठित जिला कार्यकारिणी को औपचारिक अनुमोदन प्रदान कर इसकी घोषणा कर दी है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने जानकारी दी कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार गत सप्ताह जिला कार्यकारिणी की प्रस्तावित सूची उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, लखनऊ को भेजी गई थी, जिसे स्वीकृति मिलने के बाद औपचारिक रूप से घोषित किया गया है।

नवगठित कार्यकारिणी में सामाजिक समरसता और वर्गीय प्रतिनिधित्व का विशेष ध्यान रखा गया है। कार्यकारिणी में मुकेश शर्मा, रिज़वान चौधरी, निशा शर्मा, नीरज लोहिया और आनंद शर्मा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता चरण सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अतिरिक्त संदीप नागर, कल्पना सिंह, रूबी चौहान सहित कुल 14 महासचिव और रमेश बघेल, मोहम्मद तकी, पुष्पा देवी, मोनिका शर्मा समेत कुल 23 सचिवों की भी नियुक्ति की गई है।

गौतमबुद्ध नगर जिले की तीनों विधानसभाओं से कुल 43 पदाधिकारी शामिल किए गए हैं, जिनमें से पहली बार 10 महिला पदाधिकारियों को संगठन में जगह दी गई है। जिला संगठन में 15 ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं को भी पदाधिकारी के रूप में शामिल किया गया है, जो अब तक केवल जमीनी कार्यकर्ता के रूप में संगठन के लिए कार्यरत थे।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी ने बताया कि संगठन सृजन अभियान के तहत जिले के कई अन्य समर्पित कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के अग्रिम संगठनों, नगर एवं ब्लॉक इकाइयों में उत्तरदायित्व सौंपा जाएगा। साथ ही, प्रदेश नेतृत्व के दिशा-निर्देशानुसार समय आने पर मेहनती कार्यकर्ताओं को पदोन्नति और जिला कार्यकारिणी में विस्तार भी किया जाएगा।

डीजी कारागार पीसी मीना ने किया जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं के पुलिस महानिदेशक / महानिरीक्षक पी.सी. मीना (आई.पी.एस.) ने शनिवार को जिला कारागार गौतमबुद्धनगर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उनके आगमन पर जेल के मुख्य द्वार पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। निरीक्षण के दौरान मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक सुभाष चंद्र शाक्य और जेल अधीक्षक बृजेश कुमार ने उनका स्वागत किया।

डीजी कारागार ने महिला बैरक का निरीक्षण कर बंदियों — पिंकी, प्रीति गुप्ता, हेमा तोमर और विदेशी बंदी अकीमोवा — से व्यक्तिगत बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी। किसी भी महिला बंदी ने कोई शिकायत नहीं की। साथ ही, बैरक में रह रहे बच्चों को बिस्कुट, कुरकुरे व चिप्स वितरित किए गए।

निरीक्षण के दौरान डीजी कारागार ने कौशल विकास केंद्र का दौरा भी किया, जहां बंदियों द्वारा सिलाई, हेयर कटिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण, संगीत और नृत्य से संबंधित प्रशिक्षण व प्रस्तुति दी गई। बंदियों ने 'दिल है हिंदुस्तानी' थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसे डीजी द्वारा सराहा गया।

कारागार में वर्मी कम्पोस्ट खाद और मधुमक्खी पालन से जुड़े उत्पादों का भी निरीक्षण किया गया। डीजी मीना ने उत्पादन बढ़ाने और जेल ब्रांडिंग के तहत स्थानीय बाजार में बिक्री की योजना को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर डीजी कारागार पीसी मीना ने सफेद चंदन का पौधा, जबकि डीआईजी सुभाष चंद्र शाक्य ने बहेड़ा का पौधा रोपित किया।

कारागार सर्किल नंबर-2 और पाकशाला का भी निरीक्षण किया गया। बंदियों के लिए बनी आलू-भिंडी की सब्ज़ी, अरहर की दाल, चावल और रोटी का डीजी और डीआईजी दोनों ने स्वयं स्वाद लेकर गुणवत्ता जांची, जिसे उत्तम बताया गया।

डीजी ने बैरक नंबर 8ई में रह रहे विदेशी बंदियों से उनके मामलों और समस्याओं को लेकर पूछताछ की, लेकिन किसी ने कोई शिकायत नहीं की। साथ ही कारागार चिकित्सालय का दौरा कर वार्ड ,सी और जी में भर्ती बंदियों से दवा, इलाज और सुविधाओं को लेकर जानकारी ली गई — सभी ने संतुष्टि जाहिर की।

निरीक्षण के अंत में कारागार कंट्रोल रूम का दौरा किया गया। सभी कैमरे क्रियाशील पाए गए। कारागार स्टाफ से भी अलग से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी गईं, लेकिन किसी भी अधिकारी या कर्मचारी ने कोई शिकायत नहीं की। इस अवसर पर जेल अधीक्षक बृजेश कुमार, अधीक्षक राजीव कुमार सिंह, जेलर संजय कुमार शाही, राजेश कुमार मौर्य समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महा सचिव प्रो0 राम गोपाल यादव के जन्मदिन के अवसर पर कल सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश यादव एवं सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुभाष भाटी ने नई दिल्ली स्थित लोधी रोड जाकर उन्हे बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

9 जुलाई को हड़ताल पर उतरेंगे मजदूर

नोएडा (चेतना मंच)। मेहनतकश मजदूरों के हक-अधिकारों की सुरक्षा और विभिन्न जनहितकारी मांगों को लेकर सीटू ने 09 जुलाई को जिला स्तरीय हड़ताल का आह्वान किया है। इसको लेकर आज नोएडा में सीटू कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क, पर्चा वितरण, नुक्कड़ सभाएं और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जनजागरण किया।

नगला फेस-2 चौराहे पर आयोजित नुक्कड़ सभा के दौरान सीटू जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने हड़ताल की प्रमुख मांगों को विस्तार से रखते हुए कहा कि देशभर के मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन 26,000 घोषित किया जाए। उन्होंने एनसीआर क्षेत्र के लिए अलग वेज बोर्ड के गठन की भी पुरजोर मांग की, और कहा कि जब तक यह गठन नहीं होता, तब तक नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत गौतमबुद्ध नगर में दिल्ली के बराबर न्यूनतम वेतन लागू किया जाना चाहिए। घरेलू कामगार, आंगनवाड़ी, आशा जैसी स्कीम वर्कर्स को न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा के लाभ मिलें। रेहड़ी-पटरी दुकानदार, रिक्शा, बैटरी रिक्शा व अन्य असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का उत्पीड़न बंद हो, लाइसेंस और सुरक्षा मिले। हिंडन नदी के पुस्ता क्षेत्र की बस्तियों को नियमित कर नागरिक सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य व सस्ता राशन उपलब्ध कराया जाए।

नोएडा को डूब क्षेत्र मुक्त घोषित किया जाए। समान काम के लिए समान वेतन, 10,000 न्यूनतम पेंशन और पुरानी पेंशन योजना की बहाली। ठेका कर्मियों को स्थायी किया जाए, आउटसोर्स व नीम के नाम पर भर्तियों पर रोक। श्रम कानूनों में मजदूर विरोधी बदलाव (लेबर कोड्स) वापस लिए जाएं। श्रम न्यायालय और उप श्रम आयुक्त कार्यालय में स्टाफ बढ़ाकर विवादों का 3 माह में निपटारा हो। गैस, बिजली, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती और राशनिंग व्यवस्था में सुधार।

कैमराला चक्रसैनपुर में हुई भाकियू (बलराज) की मासिक बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) की मासिक बैठक कल कैमराला चक्रसैनपुर स्थित राष्ट्रीय कैंप कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट विजय प्रताप सिंह ने की, जबकि संचालन युवा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष विपिन खारी ने किया। इस अवसर पर संगठन का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणा की।

नव नियुक्त पदाधिकारियों में जतन भाटी को मेरठ मंडल अध्यक्ष, पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित चौधरी को उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री, रविंद्र नागर को दादरी तहसील अध्यक्ष, रविंद्र भाटी (चिठैहरा) को मेरठ मंडल उपाध्यक्ष, अमित कसाना को युवा महानगर अध्यक्ष, प्रमोद शर्मा को युवा महानगर उपाध्यक्ष, आज़ाद कुमार व सूरज कुमार को युवा जिला महासचिव, शिवम कपासिया को युवा महानगर संगठन मंत्री तथा कृष्ण तंवर को मेरठ मंडल उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान दर्जनों युवाओं ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों की पुस्तैनी जमीनों पर बने मकानों और बाउंड्री वाल को अतिक्रमण बताकर तोड़ा जा रहा है, जबकि न तो उनकी जमीन का अधिग्रहण किया गया है और न ही मुआवजा दिया गया। उन्होंने कहा कि अधिग्रहण की गई जमीनों पर 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवज़ा, 10 फीसदी आवासीय भूखंड, और लीज़बैक जैसी योजनाएं अब भी लंबित हैं।

उन्होंने सवाल उठाया, क्या अपनी पुस्तैनी जमीन पर मकान बनाना अवैध निर्माण कहलाता है? और यदि किसान विरोध करता है, तो उसे भू-माफिया कहकर फर्जी मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं?

बैठक में वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट ठाकुर विजय प्रताप सिंह ने कहा कि प्राधिकरण किसानों के साथ तानाशाही रवैया अपना रहा है। जिन्होंने कभी अपनी धरती मां को सौंपकर शहर बसाया, आज उन्हीं किसानों को उजाड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते परिवारों के लिए किसान अगर पुस्तैनी ज़मीन पर निर्माण करें, तो यह उनका हक़ है।

महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में कार्यरत सन्नी यादव सिंह पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपने पिता यादव सिंह की तरह घोटालों में लिप्त हैं, बाउंसर व हथियार लेकर चलते हैं और किसानों से जबरन वसूली करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति को शस्त्र लाइसेंस किस आधार पर मिला? रेखा सिवाल ने यह भी आरोप लगाया कि सन्नी यादव सिंह किसानों को धमकाकर झूठे मुकदमे दर्ज करवा रहे हैं।

बलराज भाटी ने जानकारी दी कि हाल ही में ग्रेटर नोएडा के रूपवास गांव में प्राधिकरण द्वारा एक किसान की बाउंड्री और मकान तोड़े गए, जबकि जमीन का अधिग्रहण तक नहीं हुआ था। जब भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और विरोध दर्ज कराया, तो दादरी कोतवाली में उनके खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया गया, जबकि बलराज भाटी स्वयं उस समय मौके पर मौजूद नहीं थे।

उन्होंने मांग की कि कार्यकर्ताओं पर दर्ज झूठे मुकदमे तत्काल रद्द किए जाएं, सन्नी यादव सिंह के खिलाफ सीबीआई जांच हो, और उन्हें तत्काल बर्खास्त किया जाए, बलराज भाटी ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो भारतीय किसान यूनियन (बलराज) की अगुवाई में गौतमबुद्ध नगर में ऐतिहासिक आंदोलन होगा, जिसकी पूरी ज़िम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रोहित भाटी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जितेन्द्र सिंह, यूथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सचिन शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी, उपाध्यक्ष आशीष नागर, रोहित चौधरी, प्रवीण कौशिक, कपिल नागर, महेश शिशौदिया, डॉ. खालिद मसूरी, अमरीश भाटी, सुनील नागर, तपसी गुर्जर, धर्मपाल सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शारदा यूनिवर्सिटी में कल होगा सम्मान समारोह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारत डेवलपमेंट एसोसिएशन द्वारा कल शारदा यूनिवर्सिटी में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश बोर्ड एवं सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं, खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करने वाले युवाओं तथा विभिन्न सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. दिनेश शर्मा (भाजपा राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री) होंगे। उनके साथ विशिष्ट अतिथियों के रूप में कुंवर ब्रजेश सिंह (राज्य मंत्री, लोक निर्माण विभाग), रघुराज सिंह (राज्य मंत्री एवं अध्यक्ष, श्रम एवं सेवायोजन समिति), मेरठ सांसद अरुण गोविल, गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉ. महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर, जेवर विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह, नोएडा विधायक पंकज सिंह, सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मी राज सिंह, भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह, धौलाना ब्लॉक प्रमुख निशांत शिशोदिया, दादरी नगर पंचायत की चेयरमैन श्रीमती गीता पंडित आदि उपस्थित रहेंगे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

परी चौक के पास गंदगी का अम्बार अधिकारी मौन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भगवत नागर मार्केट के आसपास गंदगी से बुरा हाल है ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस पर चुप हैं। वहीं लोगों का गंदगी से बुरा हाल हो रहा है।

एचडीएफसी कौशल विकास केंद्र में 12वीं उत्तीर्ण छात्रों किया सम्मान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एचडीएफसी कौशल विकास केंद्र, अंबुजा फाउंडेशन में 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण हुए छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष ठाकुर विमल सिंह ने कहा एचडीएफसी कौशल विकास केंद्र व अंबुजा फाउंडेशन द्वारा प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के सपने रोजगार सृजन की दिशा में उठाए जाने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके छात्र छात्राएं ध्यान केंद्रित कर लक्ष्य हासिल करें व उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज को नई दिशा प्रदान करें, लॉयड कॉलेज के डीन माननीय डॉक्टर एस पी द्विवेदी ने बच्चों को शुभकामनाएं दी और अंबुजा फाउंडेशन के जोनल हेड अफजाल अहमद ने बताया कौशल

विकास केंद्र द्वारा ट्रेनिंग ले चुके लगभग 1700 बच्चे नौकरी पा चुके हैं कि । मुख्य अतिथियों द्वारा कौशल विकास केंद्र का दौरा किया गया एवं कौशल विकास केंद्र में सिखाए जाने वाले कोर्सों के विषय में जाना।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद छात्रों को मेडल और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। संस्था प्रबंधक विकास गुप्ता ने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

'मन की बात' और बलिदान दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया आयोजन

भदोही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के अंतिम सत्र के तहत रविवार को देश की 144 करोड़ जनता को संबोधित किया गया। इस अवसर पर भाजपा की ओर से भदोही जिले के 1253 बूथों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के तहत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर कार्यकर्ताओं ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने बूथ संख्या 357 पर स्वयं उपस्थित रहकर डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया और श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाएं और डॉ. मुखर्जी के बलिदान को स्मरण में रखें।

इस दौरान जिले के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और मातृभूमि व मातृशक्ति के सम्मान में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को सफल बनाया।

मंडल चौरी के अंतर्गत बूथ संख्या 393 पर आयोजित कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय उपस्थित रहे। उन्होंने भी डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और एक पौधा लगाकर उसे राष्ट्र को समर्पित किया।

इस अवसर पर नागेंद्र सिंह, संतोष तिवारी, सत्यशील गुप्ता, लालता प्रसाद सोनकर, गोवर्धन राय, मनीष पांडे, वीरू शुक्ला, छत्रपति सिंह, अखिलेंद्र सिंह बघेल, चिंटू, गोरेलाल पांडेय, शिवम, आकाश, दीपक, अखिलेश तिवारी, रवि, संजय सरोज, निराला पासी, पंडित सिंह, राकेश गुप्ता, अशोक पाठक, दीपक तिवारी, अश्विनी अग्रवाल, ओम प्रकाश मौर्य, शैलेंद्र पांडे, स्वरूप बिंद आदि लोग मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

तेलंगाना की केमिकल ...

एंबुलेंस बुलाई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हादसे के दौरान फैक्ट्री में मौजूद 6 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हालांकि, अभी किसी भी मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय कई कर्मचारी रिएक्टर के पास काम कर रहे थे। वहीं, धमाके के बाद आग पूरी फैक्ट्री में फैल गई, जिससे कई लोग अंदर ही फंस गए। इस फैक्ट्री में उत्तर प्रदेश और ओडिशा समेत कई राज्यों के कर्मचारी मौजूद थे। आग लगने के बाद ज्यादातर कर्मचारी बाहर निकलने में कामयाब रहे। हालांकि, इस दौरान कई लोग आग की लपटों में बुरी तरह झुलस गए हैं।

बकायेदार बिल्डर्स पर...

किया जाना है, वह भूखंड प्राधिकरण ने आइवीआर प्राइम डेवलपर्स को आवंटित कर रखा है। जब सुपरटेक व अजनारा आवंटी नहीं तो उनका आवेदन ही स्वीकार नहीं हो सकता है। सुपरटेक केपटाउन व इकोसिटी परियोजनाओं में कुल बकाया पर पांच प्रतिशत राशि प्राधिकरण में जमा करना चाहता है, इसलिए खारिज कर दिया है। साथ ही प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि 25 फीसदी राशि जमा करने पर ही विचार किया जाएगा।

ट्रक से टकराई...

26 जून को सुधीर कुमार मैनपुरी डिपो की बस को लेकर दिल्ली के आनंद विहार आया था। 27 जून की रात्रि को वह दिल्ली से सवारी लेकर मैनपुरी के लिए चला था बस में उसका भाई सुनील कुमार, परिचालक शैलेंद्र सिंह तथा अन्य सवारियां सवार थीं। धूम मानिकपुर गांव के पास जीटी रोड पर डिवाइडर के पास गलत दिशा में एक ट्रक खड़ा हुआ था। ट्रक की पार्किंग लाइट व इंडिकेटर भी नहीं जल रही थी। रात्रि होने के कारण बस चालक सुनील कुमार ट्रक को देख नहीं पाया और बस ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में चालक सुनील कुमार को गंभीर चोटे आई और कई सवारियां घायल हो गई। बस में सवार सुधीर कुमार के भाई सुनील कुमार अपने भाई को घायल अवस्था में दादरी स्थित सरकारी अस्पताल लेकर गया जहां से उसे जिम्स के लिए रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान सुधीर कुमार ने दम तोड़ दिया। मृतक चालक के भाई सुनील कुमार की शिकायत पर थाना बादलपुर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

अवैध असलाह...

पुलिस के मुताबिक पकड़े गए बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे थे। दोनों बदमाशों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

25 हजार के इनामी...

एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जितेंद्र के रूप में हुई है, जो वर्ष 2023 में दर्ज एक डकैती के मामले में वांछित था। उस डकैती में करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लूट की गई थी।

पुलिस ने बताया कि जितेंद्र पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

30 जुलाई को विशाल किसान महापंचायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले 30 जुलाई को गलगोटिया यूनिवर्सिटी के सामने अंडरपास के नीचे आयोजित होने वाली विशाल किसान महापंचायत को सफल बनाने के लिए क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया गया है। इस महापंचायत में हजारों की संख्या में किसान, मजदूर और नौजवान शामिल होंगे। किसान नेताओं ने बताया कि महापंचायत का उद्देश्य 10 प्रतिशत विकसित भूखंड दिए जाने, 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने, तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान करने जैसे प्रमुख मुद्दों को लेकर सरकार तक आवाज़ पहुंचाना है।

भारतीय किसान यूनियन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने बताया कि यह आंदोलन किसानों, खेत मजदूरों और बेरोजगार नौजवानों के वास्तविक अधिकारों और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण और शासन की उपेक्षा से किसानों को उनका हक़ नहीं मिल पा रहा है, जिससे गांवों में गुस्सा लगातार बढ़ रहा है।

इस जनसंपर्क अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाज़ी और स्लोगन के माध्यम से किसानों में जोश भरा। भाकियू ने सभी किसानों, युवाओं और जन संगठनों से 30 जुलाई को महापंचायत में बड़े पैमाने पर शामिल होने की अपील की है ताकि दबाव बनाकर किसानों के हक़ में ठोस नीतिगत निर्णय कराए जा सकें।

1 लाख का ईनामी बदमाश संदीप पहलवान मुठभेड़ में ढेर

बागपत/नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने जनपद बागपत में रविवार देर रात को एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान हाइवे पर ट्रक ड्राइवर की हत्या कर सामान लूटने वाले गैंग के एक शातिर बदमाश को मुठभेड़ के दौरान मार गिराया है। इसकी गिरफ्तारी पर उतर प्रदेश सरकार से एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। बदमाश जनपद रोहतक हरियाणा का रहने वाला था। इसके खिलाफ ट्रक लूटने और डकैती तथा हत्या सहित विभिन्न धाराओं में 16 मुकदमे पूर्व में दर्ज हैं।

अपर पुलिस महानिदेशक एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि 29 जून की देर रात को यूपी एसटीएफ (नोएडा यूनिट) को सूचना मिली कि हाईवे पर ट्रक ड्राइवर की हत्या कर सम्मान से भरा ट्रक लूटने वाले गैंग बागपत में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाले हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर नोएडा यूनिट के एसपी राजकुमार मिश्रा और उनकी पुलिस टीम ने बागपत पुलिस के साथ बदमाशों की तलाश शुरू की। उन्होंने बताया कि थाना बागपत कोतवाली क्षेत्र में पुलिस को कुछ

बदमाश संदिग्ध अवस्था में बाइक पर सवार होकर आते हुए दिखाई दिए। जब उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो उन्होंने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में एसटीएफ ने भी गोली चलाई। उन्होंने बताया कि पुलिस की तरफ से चलाई गई गोली एक बदमाश को लगी। उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि इसके अन्य साथी मौके से भाग गए हैं।

अपर पुलिस महानिदेशक ने बताया कि मृतक बदमाश की पहचान संदीप पुत्र सतवीर निवासी भैणी महाराजगंज थाना महम रोहतक हरियाणा के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि जनपद कानपुर के पनकी थाना क्षेत्र में निकिल प्लेट से भरा हुआ एक ट्रक लूट गया था, जिसमें करीब चार करोड रुपए कीमत का सामान रखा था। यह बदमाश उसे घटना में शामिल था। इस मामले में उक्त बदमाश के ऊपर उत्तर प्रदेश से एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि उक्त बदमाश ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा सहित विभिन्न प्रांतो में ट्रक ड्राइवर की हत्या कर सामान लूटी थी। इसके खिलाफ 16 मुकदमे पूर्व में दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि उक्त बदमाश के पास से एक मोटरसाइकिल ,अवैध हथियार आदि बरामद हुआ है।

उन्होंने बताया कि मारा गया बदमाश साइको किलर के रूप में कुख्यात था। यह ट्रक ड्राइवरों की बेदर्दी से हत्या करता था। उनके शवों को जमीन में गाड़ देता था, या नदी, नहर में बहा देता था। यह पूर्व में पहलवान रहा है। उन्होंने बताया कि कि इसकी तीन वर्षीय बेटी की उसी के घर में बनी पानी की हौदी में डूब कर मौत हो गई थी। उसके बाद इसकी ट्रांसपोर्ट की नौकरी छूट गई, इसने कुछ व्यापार किया उसमें भी घाटा हुआ। उसके बाद उसने अपराध की दुनिया में पैर रखा। यह काफी करुएलिटी से अपराध कारित करता था। इसे जब हिसार पुलिस में गिरफ्तार किया था तो उसने यह खुलासा किया था। संदीप पहलवान उर्फ लोहार ट्रक ड्राइवर में आतंक का पर्याय बन गया था। ट्रांसपोर्टर इसके नाम से थर-थर कांपते थे। उन्होंने बताया कि इसका एक संगठित गिरोह है। यह हाईवे पर चलने वाले ट्रैकों को अपना निशाना बनाता था। बताया जाता है की हिसार पुलिस ने जब इसको गिरफ्तार कर पूछताछ की थी तो इसने कहा था कि अपनी बेटी के मौत के बाद उसने ठान लिया था कि वह अच्छा काम नहीं करेगा ,तथा वह अपराध की दुनिया में आ गया था। यह साइको किलर के रूप में कुख्यात था।

दिल्ली में कराई जाएगी कृत्रिम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली जल्द ही एक ऐतिहासिक वैज्ञानिक प्रयोग की गवाह बनने जा रही है। दिल्ली सरकार ने पहली बार शहर में कृत्रिम बारिश कराने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। इसका उद्देश्य है — शहर के लगातार बिगड़ते वायु प्रदूषण को कम करना और दिल्लीवासियों को राहत पहुंचाना।

दिल्ली में यह कृत्रिम बारिश 4 जुलाई से 11 जुलाई 2025 के बीच कराई जाएगी। इस तकनीक को क्लाउड सीडिंग कहा जाता है, जिसमें बादलों में खास तरह के रसायन जैसे सिल्वर आयोडाइड नैनो कण, आयोडीन युक्त नमक और सेंधा नमक को विमानों के माध्यम से छिड़का जाता है। इन रसायनों की मदद से नमी वाले बादलों में बूंदों का निर्माण तेज़ किया जाता है, जिससे बारिश हो सकती है।

इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग द्वारा किया जा रहा है और इसे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की निगरानी में अंजाम दिया जा रहा है। तकनीकी संचालन की जिम्मेदारी आईआईटी कानपुर को सौंपी गई है। आईआईटी कानपुर ने इस मिशन के लिए आईएमडी पुणे के साथ मिलकर समन्वय किया है, ताकि मौसम के अनुकूल समय में छिड़काव किया जा सके।

इस योजना के तहत पांच बार विमान उड़ाए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक उड़ान लगभग 90 मिनट की होगी और

● 4-11 जुलाई को विमानों से होगा रसायन का छिड़काव

100 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में रसायन का छिड़काव किया जाएगा। उड़ानें उत्तरी-पश्चिमी और बाहरी दिल्ली में केंद्रित होंगी, जबकि लुटियन्स जोन और आईजीआई एयरपोर्ट जैसे उच्च-सुरक्षा क्षेत्रों को इससे बाहर रखा जाएगा। अगर मौसम अनुकूल नहीं रहा, तो इसके लिए वैकल्पिक तिथियों की भी व्यवस्था की गई है।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस परियोजना को दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण के इतिहास में एक ऐतिहासिक कदम बताया है। उनका कहना है कि 'स्वच्छ हवा हर दिल्लीवासी का बुनियादी अधिकार है' और सरकार इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है। उन्हें उम्मीद है कि यह प्रयोग आने वाले समय में वायु गुणवत्ता सुधारने में अहम भूमिका निभाएगा।

इस पूरे अभियान पर 3.21 करोड़ का बजट तय किया गया है, जिसमें विमानों की लागत, तकनीकी संचालन और रसायनों की कीमत शामिल है। यह भारत के किसी भी बड़े शहर में पहली बार इस स्तर पर किया गया कृत्रिम वर्षा मिशन होगा।

खास खबर

पाकिस्तान में कांपी धरती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रविवार तड़के जोरदार भूकंप आया, जिससे खलबली मच गई। नींद से सोए लोग डर गए और घरों से बाहर आ गए। मीडिया रिपोर्ट में नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर पाकिस्तान में आए इस भूकंप की तीव्रता 5.2 थी। इसकी गहराई 150 किलोमीटर धरती के अंदर थी। फिलहाल किसी नुकसान की खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक पाकिस्तान में भूकंप भारतीय समयानुसार रात 3.54 मिनट पर आया। यह वह वक्त था, जब सभी गहरी नींद में सोए थे। भूकंप के झटकों से उनकी नींद खुल गई। भूकंप से घर में रखीं चीजें हिलने लगीं। पंखे-बल्ब सब हिलने लगे। यह नजारा देख लोग डर गए और तुरंत अपने घरों से बाहर आ गए। बताया जा रहा है कि कुछ घरों की दीवारों को नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान दुनिया के सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय देशों में से एक है। पाकिस्तान में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। पाकिस्तान भौगोलिक रूप से यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों को ओवरलैप करता है। बलूचिस्तान, संघ प्रशासित जनजातीय क्षेत्र, खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत ईरानी पठार पर यूरेशियन प्लेट के दक्षिणी किनारे पर स्थित हैं।

लोकतंत्र की मांग को लेकर सड़कों पर उतरी जनता

बेलग्रेड। बेलग्रेड की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर लोकतंत्र की मांग को लेकर उतरे। ये छात्र-नेतृत्व वाला प्रदर्शन आठ महीने पहले हुए उस दर्दनाक हादसे की गूंज है, जिसमें नोवी साद में एक सरकारी प्रोजेक्ट के तहत बनी रेल स्टेशन की छत गिरने से 16 लोगों की जान गई थी। इस घटना को लेकर नागरिकों में सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर गुस्सा है। अब राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वूचिच के 12 साल के लंबे शासन को खत्म करने की मांग बुलंद हो रही है।

घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म

ढाका। बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले में मुरादनगर इलाके में रथ यात्रा के दिन 25 साल की एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना ने देश भर को हिला दिया। इसके साथ ही इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार आने के बाद कट्टरपंथियों का बोलबाला हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों के मुताबिक जब हिंदू परिवार अपने धार्मिक कार्यक्रम में व्यस्त था, उसी वक्त पड़ोस के घर में ये जघन्य अपराध हुआ। इस मामले में आरोपी बांग्लादेश नेशनल पार्टी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने खुद मुरादनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया और बताया कि वह 15 दिन पहले मायके आई थी। घटना की रात आरोपी ने दरवाजा तोड़कर उसके साथ दुष्कर्म किया। शोर सुनकर आए लोग आरोपी फज्ल अली को पकड़ने आए लेकिन वह फरार हो गया। पुलिस ने उसे ढाका के सैयदाबाद इलाके से गिरफ्तार किया है। घटना की वीडियो वायरल हुआ, जिसे बनाने और फैलाने के आरोप में चार और लोगों को भी गिरफ्तार किया है।

हिमाचल में मानसून का कहर, 8 दिनों में 34 लोगों की मौत

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने इस बार जून में ही विकराल रूप धारण कर लिया है। आमतौर पर जुलाई-अगस्त में तबाही मचाने वाला मानसून इस बार 20 जून को दस्तक के साथ ही कहर बरपा रहा है। बीते 8 दिनों में राज्यभर में बारिश जनित घटनाओं में 34 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 74 से अधिक लोग घायल हुए हैं। वहीं, 4 लोग अब भी लापता हैं। भारी तबाही के चलते राज्य में सरकारी व निजी संपत्ति को 71 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 जून से 28 जून के बीच हुई घटनाओं में सबसे ज्यादा 17 लोगों की मौत

सड़क दुर्घटनाओं में हुई है। इसके अतिरिक्त फ्लैश फ्लड में 7, पानी के तेज बहाव में बहने से 4, पहाड़ी से फिसल कर गिरने से 2, बिजली का करंट लगने से 2, सांप के काटने से 1 और अन्य कारणों से 1 व्यक्ति की जान गई है। अकेले कांगड़ा जिले में फ्लैश फ्लड से 6 लोगों की जान गई है। इस अवधि में 38 मवेशियों की मौत, 6 मकानों के पूरी तरह ध्वस्त होने और 17 मकानों के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। इनमें सबसे ज्यादा नुकसान कुल्लू जिले में सामने आया, जहां 10 घर प्रभावित हुए। इसके अलावा 7 दुकानें, 9 पशुशालाएं और एक घराट भी पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। प्राकृतिक आपदा से सरकारी विभागों को भी भारी नुकसान झेलना पड़ा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार जलशक्ति विभाग को 38.56 करोड़ और लोक निर्माण विभाग को 30.76 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इन आंकड़ों के अनुसार राज्य को अब तक कुल 71.19 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति क्षति का सामना करना पड़ा है। इस बीच प्रदेश में बारिश का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मौसम विभाग ने राज्य में आगामी 5 जुलाई तक भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। विशेष रूप से 29 और 30 जून को रेऑरेंज अलर्टर जारी किया गया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर प्रदेश के अन्य 10 जिलों में अगले 24 घंटों में फ्लैश फ्लड की आशंका है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी-नालों व पहाड़ी ढलानों से दूर रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन से संपर्क करें। इस बीच राज्य सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग अलर्ट मोड पर हैं। जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें तैनात की गई हैं।

बड़कोट में बादल फटे, बाढ़ में बह गए 8 से 9 मजदूर

देहरादून। उत्तरकाशी जिले के बड़कोट तहसील क्षेत्र में सिलाई बैंड के पास बादल फटने की घटना से हड़कंप मच गया। घटना के बाद क्षेत्र में भारी तबाही की खबर हैं। प्रशासन ने बताया गया कि, सिलाई बैंड के पास रात 3:12 बजे बादल फटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से राजस्व विभाग, एसडीआरएफ और पुलिस टीम रवाना की गई है। सिलाई बैंड के पास 19 मजदूर रहते थे, जिसमें से 9 मजदूरों के लापता होने की सूचना है। एसडीआरएफ, पुलिस राजस्व विभाग की टीमें लापता लोगों के लिए तलाशी अभियान चल रही हैं। वहीं 10 मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर लाया गया है। उत्तरकाशी में स्थानीय प्रशासन ने बताया कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सिलाई बैंड के पास दो-तीन स्थानों पर मलबा और पानी आने से बाधित हो गया है। इस संबंध में एनएच विभाग को सूचित कर दिया गया है ताकि यातायात बहाल किया जा सके। इसके अलावा कुथनौर गांव में भी बादल फटने के चलते हुए भूस्खलन से कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन का कहना है कि लापता मजदूरों की तलाश तेज कर दी गई है और स्थानीय लोगों से भी सहयोग लिया जा रहा है।

पाइपलाइन डालने के दौरान मिट्टी धसीं, 3 की मौत

- 12 मलबे में दबे, 7 लोगों को बाहर निकाला, राहत व बचाव कार्य जारी

एजेंसी

भरतपुर। भरतपुर जिले के गहनौली में रविवार सुबह चंबल प्रोजेक्ट के तहत पाइप लाइन डालने के दौरान मिट्टी ढहने से एक ही परिवार के 12 लोग मलबे में दब गए। हादसे में दो महिलाएं और एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि सात लोगों को ग्रामीणों और प्रशासन की मदद से बाहर निकाला गया अन्य लोगों की तलाश और बचाव कार्य जारी है।जानकारी के मुताबिक यह हादसा रूपवास के पास जग्गी का नगला गांव में सुबह करीब 8:30 बजे हुआ, जहां चंबल परियोजना के तहत पानी की

पाइपलाइन डालने का कार्य चल रहा था। फतेहपुर सीकरी के उत्तु सांवरा गांव के रहने वाले करीब 12 लोग पास ही निकाली जा रही पीली मिट्टी को भरने पहुंचे थे तभी अचानक खुदाई के दौरान करीब 10-12 फीट गहरे गड्ढे की मिट्टी ढह गई और सभी लोग उसमें दब गए। घटना की सूचना मिलते ही गहनौली थाना प्रभारी पुलिस व जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों ने भी मौके पर पहुंचकर फावड़े और जेसीबी मशीन की मदद से राहत कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद अब तक 7 लोगों को बाहर निकाला जा चुका है, जिनमें कुछ घायल हैं उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान अनुकूल (24), विमला (45) और विनोद (55) में हुई है। शवों को भरतपुर जिला अस्पताल की मच्चुरीं में रखवा दिया है। लोगों ने बताया कि जिस स्थान पर खुदाई चल रही थी, वहां कोई सुरक्षा उपाय नहीं थे और मिट्टी का ढेर भी असंतुलित तरीके से जमा था। बारिश के बाद मिट्टी और ज्यादा ढीली हो गई थी, जिससे वह ढह गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मुआवजे और प्रोजेक्ट कार्य में सुरक्षा मानकों को लागू करने की मांग की है। प्रशासन की ओर से राहत व बचाव कार्य जारी है और हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

ब्रह्मपुत्र का बढ़ा जलस्तर, कई बीघा जमीन पानी में डूबी

गुवाहाटी। असम में ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ने से जनजीवन पर असर पड़ा है, जिससे नदी किनारे के इलाकों में पानी घुस गया है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी दिनचर्या प्रभावित हो चुकी है। प्रभावित लोगों ने बताया कि कई बीघा खेती की जमीन पानी में डूब गई है, जिससे न केवल उनकी उगाई गई सब्जियों और फसलों को नुकसान हुआ है, बल्कि भोजन-पानी की व्यवस्था भी चुनौती बन गई है। जानकारी के मुताबिक डिब्रूगढ़, जोरहाट, माजुली और कामरूप जिलों के पानीखैती, राजाबारी इलाकों में ब्रह्मपुत्र नदी का पानी घुसने के कारण सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूब गई है। लोगों के मुताबिक ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर 3 से 4 दिनों से जिस तरह बढ़ रहा है, अगर ऐसा ही रहा तो उससे उनका गांव भी जलमग्न हो जाएगा।

कर्नाटक में हिंदी भाषा थोपने से 90 हजार छात्र बोर्ड परीक्षा में फेल

एजेंसी

चेन्नई। इस समय हिंदी भाषा को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों में बवाल मचा है। इन सबके बीच तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री अन्बिल महेश पोयामोझी ने दावा किया है कि कर्नाटक में हिंदी भाषा थोपने के चलते 90 हजार छात्र बोर्ड एग्जाम में फेल हो गए। तमिलनाडु के मंत्री ने यह बातें स्कूल कॉम्पटीशन के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार की लैंग्वेज पॉलिसी और एजुकेशन फंडिंग पर सवाल उठाए। मंत्री पोयामोझी ने कहा कि तीसरी भाषा एक विकल्प होना चाहिए, न कि एक मजबूरी। साथ ही शिक्षा नीतियों में लचीलापन की जरूरत पर जोर दिया। केंद्र सरकार पर सीधा हमला करते हुए उन्होंने संघीय सरकार पर उच्च प्रदर्शन करने वाले राज्यों जैसे तमिलनाडु और केरल से महत्वपूर्ण शिक्षा फंड रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्यों को शिक्षा फंड दबाकर धमकी दे रहा है, लेकिन सीएम स्टालिन ने हस्तक्षेप किया है और आश्वासन दिया है कि राज्य पूरी लागत वहन करेगा। इससे पहले डीएमके सांसद कनिमोझी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे का जवाब दिया कि हिंदी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है। कनिमोझी ने इस आधार पर तमिल का समर्थन किया। उन्होंने उत्तर भारतीयों से दक्षिण भारतीय भाषाएं सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर हिंदी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है, तो तमिल भी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है।

पुरी में भगदड़ के बाद सरकार ने लिया एक्शन, कलेक्टर-एसपी को हटाया

एजेंसी

पुरी। ओडिशा के पुरी में श्रीगुंडिचा मंदिर के पास रविवार सुबह मची भगदड़ के बाद राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया और दो पुलिस अफसरों को निलंबित कर दिया है, जबकि जिलाधिकारी और एसपी का ट्रांसफर किया गया है। सीएम मोहन चरण माझी ने पुरी में हुई भगदड़ के लिए भगवान जगन्नाथ के भक्तों से क्षमा मांगी है। वहीं कांग्रेस ने कहा कि इसके लिए बरती गई लापरवाही और कुप्रबंधन अक्षम्य है। सीएम मोहन चरण माझी ने पुरी मंदिर भगदड़ की स्थिति के आकलन के लिए उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद सीएम माझी ने बताया कि पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ एस. स्वैन और पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल का ट्रांसफर कर दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी पिनाक मिश्रा, जो वर्तमान में एडीजी (क्राइम) हैं, उनको पुरी का नया एसपी बनाया है जबकि खुर्दा के कलेक्टर चंचल राणा पुरी के नए जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार संभालेंगे। यही नहीं सरकार ने पुरी के डीसीपी बिष्णु चरण पति और पुलिस कमांडेंट अजय पाधी को भी निलंबित कर दिया है। बता दें रविवार सुबह हुई भगदड़ की घटना पर सीएम माझी ने एक्स पर माफी मांगते हुए कहा कि मैं और मेरी सरकार सभी जगन्नाथ भक्तों से माफी मांगते हैं।

महिला आईपीएस अधिकारी का निधन

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में हरियाणा कैडर की आईपीएस अधिकारी स्मिति चौधरी का 48 साल की उम्र में निधन हो गया। वे खराब स्वास्थ्य के कारण छुट्टी पर थी। स्मिति चौधरी के पति राजेश कुमार महाराष्ट्र कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। उनके पति राजेश कुमार वर्तमान में नासिक में महाराष्ट्र पुलिस अकादमी के निदेशक हैं। मिली जानकारी के अनुसार स्मिति चौधरी सितंबर 2023 से हरियाणा एसीबी में पुलिस अधीक्षक के पद पर थी। स्मिति पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं। उनका इलाज चल रहा था। स्मिति ने 1998 में राजेश कुमार से शादी की थी।

नया पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम वर्ष के अंत तक होगा तैयार

- प्रति मिनट 1.5 लाख टिकट जनरेट करने में सक्षम
- वर्तमान 32,000 प्रति मिनट क्षमता से लगभग पाँच गुना अधिक

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे, यात्री सुविधा और स्मार्ट टिकटिंग पर ध्यान केंद्रित करते हुए पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को बहुभाषी बनाने की दिशा में अग्रसर है ।यात्रा की अनिश्चितता को कम करने हेतु वेटलिस्ट टिकटों की अडवांस चार्टिंग प्रणाली जल्द होगी लागू दोपहर 2 बजे से पहले रवाना होने वाली ट्रेनों का चार्ट पिछली रात 9 बजे ही तैयार कर दिया जाएगा। तत्काल बुकिंग के लिए आधार या डिजीलॉकर से लिंक सरकारी पहचान पत्र द्वारा व्यापक प्रमाणीकरण लागू होगा - जिससे सुरक्षा व पारदर्शिता में सुधार होगा। नई पीआरएस प्रणाली में टिकट पूछताछ क्षमता 10 गुना बढ़ेगी 4 लाख से बढ़कर 40 लाख प्रति मिनट तक। भारतीय रेलवे यात्रा अनुभव को पूरी तरह यात्री-केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे में एक यात्री की यात्रा की शुरूआत टिकट आरक्षण से होती है, और इसे आसान बनाने हेतु रेलवे लगातार सुधारात्मक कदम उठा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इन सुधारों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि टिकटिंग प्रणाली को स्मार्ट, पारदर्शी, सुलभ और कुशल होना चाहिए। योजनाएं यात्री सुविधा को केंद्र में रखकर बनाई जानी चाहिए। यह प्रणाली यह सुनिश्चित करे कि यात्रियों को सहज और आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त हो। फिलहाल ट्रेनों के प्रस्थान से चार घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट तैयार किया जाता है, जिससे यात्रियों के मन में अनिश्चितता बनी रहती है। विशेष रूप से वे यात्री जो पास के शहरों या कस्बों से ट्रेन पकड़ने आते हैं, उनके लिए यह असुविधाजनक होता है।इस अनिश्चितता को दूर करने हेतु रेलवे बोर्ड ने प्रस्ताव रखा है कि ट्रेनों का चार्ट प्रस्थान से आठ घंटे पहले तैयार किया जाए। इसके तहत, जो ट्रेनें दोपहर 2 बजे से पहले रवाना होती हैं, उनका चार्ट पिछले दिन रात 9 बजे तक ही तैयार कर दिया जाएगा। रेल मंत्री ने इस प्रस्ताव से सहमति व्यक्त की है और इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने के निर्देश दिए हैं ताकि कोई बाधा उत्पन्न न हो। ये सभी सुधार भारतीय रेलवे की निरंतर आधुनिकीकरण की दिशा में प्रतिबद्धता और नागरिकों को केंद्र में रखकर सिस्टम को और अधिक सुगम एवं पारदर्शी बनाने के प्रयासों को दर्शाते हैं।

रूस ने भेजे जासूसी विमान, यूरोपीय देशों में हलचल

एजेंसी

मॉस्को। रूस-यूक्रेन तीन साल से लगातार जंग के मैदान में हैं, तो वहीं अब पुतिन ने नाटो देशों को सीधी धमकी दे दी है। ये धमकी नाटो देशों की हाल ही में नीदरलैंड में हुई बैठक के बाद दी गई। पुतिन ने नाटो को सीधा खतरा बताते हुए जवाबी कार्रवाई की धमकी दी। इसके बाद उन्होंने बाल्टिक सागर के ऊपर शुक्रवार को अपना जासूसी विमान भी भेज दिया था, जिसे देखते ही यूरोपीय देशों में हलचल मच गई। नाटो देश जर्मनी ने तुरंत इसे रोकने के लिए अपने यूरोफाइटर जेट्स उड़ा दिए। नाटो के रडार ने जब कलिनिनग्राद से उड़ान भर रहे रूसी आईआई-20 विमान को ट्रैक किया, तो उसका ट्रांसपोंडर बंद था यानी विमान छिपकर उड़ान भर रहा था। जर्मन

पायलटों की कार्रवाई के चलते विमान को पोलैंड और जर्मनी की ओर बढ़ने से पहले ही रोक दिया गया। करीब 100 किलोमीटर समुद्री सीमा के पास हुए इस इंटरसेप्शन में जर्मन विमानों ने जासूसी विमान की तस्वीरें भी लीं, लेकिन रूसी विमान जर्मन हवाई क्षेत्र में प्रवेश किए बिना उत्तर की ओर मुड़ गया और उसडोम द्वीप के करीब से निकल गया। बता दें यह 2025 में 9वां मौका है जब जर्मन सेना को रूसी विमानों की जासूसी गतिविधियों को रोकने के लिए अलर्ट पर जाना पड़ा। इस घटना के बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने एस्तोनिया में परमाणु हथियारों से लैस नाटो विमानों की संभावित तैनाती पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसा सीधा खतरा है। पेस्कोव ने बाल्टिक देशों को अविवेकी बयानबाज बताया और कहा कि रूस-नाटो रिश्ते पहले से ही ठंडे हैं। बता दें एस्तोनिया के रक्षा मंत्री हन्नो पेवकुर ने संकेत दिया था कि उनका देश यूएस एफ-35 जैसे विमान लेने को तैयार है। ये वो फाइटर जेट्स हैं जो टैक्टिकल न्यूक्लियर बम ले जा सकते हैं। जर्मनी की विदेशी खुफिया एजेंसी के प्रमुख ने चेतावनी दी कि ह्यूक्रेन सिर्फ पश्चिम की ओर एक कदम है।

द. कोरिया में अब कुत्ता पालन हुआ अवैध

सियोल। रेवरेंड जू योंग-बोंग एक व्यापारी हैं, वे एक व्यवसाय के लिए कुत्ते पालते हैं जो अब द.कोरिया में अवैध हो गया है। 60 वर्षीय जू ने कहा कि बीती गर्मियों से हम अपने कुत्तों को बेचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन व्यापारी कुत्तों को लेने से आनकानी कर रहे हैं। बता दें, द. कोरिया में 2024 में कुत्ते के मांस पर प्रतिबंध लगाने के बाद साल 2027 तक काम को पूरी तरह से बंद करने का समय दिया गया है। लेकिन छूट अवधि के आधे समय में ही जू जैसे किसान फंस गए हैं। उनके कुत्ते बिक नहीं रहे हैं और वे जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा, हम कर्ज में डूबे हुए हैं, इस कर्ज को चुका नहीं सकते।

कोर्ट में ऑनलाइन सुनवाई और डिजिटल फैसले की व्यवस्था लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की न्यायपालिका ने तकनीकी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए ऑनलाइन सुनवाई और डिजिटल फैसलों की व्यवस्था को औपचारिक रूप से लागू करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था उच्चतम न्यायालय से लेकर जिला अदालतों तक लागू होगी। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद न्यायिक प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और आम जनता के लिए अधिक सुलभ बनाया जा सकेगा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, यह पहल ह्यई-कोर्ट परियोजना के तीसरे चरण का हिस्सा है।जिसमें ई-फाइलिंग,

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन फैसलों की सार्वजनिक उपलब्धता होगी। सुप्रीम कोर्ट पहले ही वर्चुअल सुनवाई में अग्रणी है। अब इसे स्थायी व्यवस्था के रूप में जिला न्यायालयों और हाईकोर्ट मे लागू किया जाएगा। यह सुविधा उन लोगों के लिए उपयोगी साबित होगी। जो दूरदराज के क्षेत्रों में रहते हैं। जो कोर्ट आने में असमर्थ होते हैं। इससे सुनवाई में देरी होने के कारण न्याय मिलने में देरी होती है।उसमें उल्लेखनीय कमी आयेगी। भारत की अदालतों में अभी तक 25 करोड़ से अधिक केस ई-फाइलिंग के तहत पंजीकृत किए जा चुके हैं। 3 करोड़ से ज्यादा फैसले डिजिटली जारी किए जा चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव को सफल बनाने के लिए तकनीकी अधो- संरचना को मजबूत करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में, वकीलों, न्यायाधीशों और जनता को डिजिटल रूप से सक्षम बनाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। जो ऑनलाइन डिजिटल न्यायिक व्यवस्था के सफलता की कुंजी होगी।

बस एक बटन दबते ही हो जाएगा मानवता का विनाश

दुनिया में युद्ध और तनाव के चलते विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली। रुस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-ईरान तनाव और वैश्विक अस्थिरता से दुनिया जूझ रही है। वहीं परमाणु हथियारों की होड़ मची है। वैज्ञानिक और सुरक्षा विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि यह रफ्तार जारी रही तो मानवता फिर से उसी विनाशकारी दौर में पहुंच जाएगी, जहां सिर्फ एक बटन बदते ही पूरी दुनिया तबाह हो जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की शुरूआत तक दुनिया में कुल 12,241 परमाणु हथियार हैं, जिनमें से करीब 9,600 हथियार सक्रिय सैन्य स्टॉक में हैं यानी किसी भी वक्त इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इन हथियारों में से ज्यादातर अमेरिका और रूस के पास हैं, जो

मिलकर दुनिया के 87 फीसदी परमाणु जखीरे पर नियंत्रण रखते हैं। इनके अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देश भी इसमें शामिल हैं। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि इन हथियारों में से कई ऐसे ठिकानों पर रखे गए हैं जिनका कोई रिकॉर्ड नहीं है। ये अंडरग्राउंड बंकरों, गुप्त सैन्य ठिकानों और समुद्र के नीचे तैनात परमाणु पनडुब्बियों में लगातार सक्रिय हैं और इनकी निगरानी गोपनीय तरीके से की जा रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका ने अपने कई परमाणु हथियार न केवल खुद की धरती पर बल्कि यूरोप के कई देशों जैसे जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैंड, इटली और तुर्की में भी तैनात कर रखे हैं। ये हथियार आम तौर पर दिखाई नहीं देते, क्योंकि इन्हें एयरबेस के नीचे बने बंकरों में रखा गया है। वहीं रूस ने हाल ही में बेलारूस में टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियार तैनात करने की बात कही थी, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। चीन और उत्तर कोरिया जैसे देशों का परमाणु नेटवर्क तो पूरी तरह गोपनीय है, जिससे इनके इरादों का अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है। इजराइल ने भी रहस्यमयी ढंग से इन्हें छिपा रखा है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसने न तो अपने पास परमाणु हथियार होने की पुष्टि की है और न ही इसका खंडन किया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इजराइल के पास करीब 90 परमाणु हथियार हैं, जो नेगेव रेगिस्तान, डिमोना परमाणु केंद्र और अन्य अज्ञात जगहों पर छिपा कर रखे गए हैं। इसे रणनीतिक अस्पष्टता कहा जाता है, जिससे दुश्मनों को भ्रम में रखा जाता है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया एक बार फिर उसी परमाणु युग में लौट रही है, जो कभी 1960 और 70 के दशक में देखा गया था। फर्क सिर्फ इतना है कि अब ये हथियार छोटे, स्मार्ट और कहीं ज्यादा खतरनाक हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अब परमाणु हथियार डर पैदा करने की बजाय असुरक्षा की भावना को जन्म दे रहे हैं।

कश्मीर हमारी जुगुलर वेन और यह हमेशा रहेगी : मुनीर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने भारत के खिलाफ फिर जहर उगला है। उसने कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया है। मुनीर ने कहा है कि यदि भारत भविष्य में उस पर हमला करता है तो पाकिस्तान उसका जवाब देगा। करांची स्थित एक कार्यक्रम में मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान एक क्षेत्रीय स्थिरता का वाहक है और उसने हर बार बिना उकसावे की भारतीय आक्रामकता का जवाब संयम और परिपक्वता के साथ दिया है। मुनीर ने एक बार फिर कश्मीर को पाकिस्तान की जुगुलर वेन यानी गले की नस बताया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर हमारी जुगुलर वेन है और यह हमेशा रहेगी। हम इसे कभी नहीं भूलेंगे। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान, संयुक्त राष्ट्र

प्रस्तावों और कश्मीरी जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप कश्मीर मुद्दे के न्यायपूर्ण समाधान के लिए आवाज उठाता रहेगा। बता दें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाक प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा 26 पर्यटकों की नृशंस हत्या ने पूरे देश को हिला दिया था। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान पर दबाव बढ़ाते हुए सिंधु जल संधि पर रोक लगाने का ऐलान किया, ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, जिसमें पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाहा किया गया था।

खास खबर

एसेक्स की ओर से खेलेगे खलील

मुम्बई। तेज गेंदबाज खलील अहमद को भारत ए की ओर अच्छा प्रदर्शन करने का लाभ हुआ है। खलील को काउंटी क्रिकेट खेलने का अवसर मिला है। खलील अब काउंटी टीम एसेक्स की ओर से खेलेगे। खलील ने इस साल आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। खलीन ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 11 एकदिवसीय और 18 टी20 मैच खेले हैं। बाएं हाथ के अच्छे तेज गेंदबाजों की काउंटी टीमों में हमेशा ही मांग बनी रहती है। इसी कारण खलील ने 2025 सत्र के अंत तक के लिए काउंटी चैंपियनशिप और एकदिवसीय कप मैच खेलने के लिए एसेक्स के साथ करार किया है। खलील मई के अंत से ही इंग्लैंड में हैं और उन्होंने वहां भारत ए की ओर से खेला है। . उन्होंने नॉर्थम्प्टन में पहले मैच में जेम्स रेव, जॉर्ज हिल, क्रिस वोक्स और एसेक्स में अपने साथी जॉर्डन कॉक्स को आउट किया था। खलील ने अपने एक बयान में कहा, ह्लमैंने एसेक्स क्लब के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं और अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करुंगा।

चैड गेबल को कंधे पर लगी गंभीर चोट

नई दिल्ली । डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार चैड गेबल को जुलाई के पहले हफ्ते में सर्जरी करानी पड़ेगी। मंडे नाइट रॉ के ताजा एपिसोड में पेंटा के साथ मुकाबले में उन्हें कंधे में गंभीर चोट लगी। मैच के दौरान पेंटा ने गेबल पर आर्मबार सबमिशन मूव लगाया, जिससे गेबल दर्द से चिल्लाते दिखे। बताया जा रहा है कि इस चोटिल एंगल को जानबूझकर बुना गया ताकि गेबल को पहले से लगी चोट की वजह से टीवी से हटाया जा सके। दरअसल, मंडे नाइट रॉ में ब्रॉन ब्रेकर से हारने के बाद गेबल ने पेंटा को भड़काते हुए उसका मजाक उड़ाया और मास्क उतारने की धमकी दी। इस पर पेंटा ने जवाबी हमला किया और आर्मबार लगा दिया, जिससे गेबल का कंधा बुरी तरह मुड़ गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक गेबल को पहले से ही कंधे में चोट थी और इसी कारण डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई ने उन्हें स्टोरीलाइन में भी चोटिल दिखाकर ब्रेक दिलाने का प्लान बनाया।

फाइट करते दिखे अर्शदीप और आकाशदीप

बर्मिंघम। यहां भारतीय टीम 2 जुलाई से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट की तैयारियों में लगी है। इसी अभ्यास सत्र के दौरान कुछ खिलाड़ी गेंदबाजी कोच के साथ हंसी मजाक में लड़ाई करते दिखे। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप गेंदबाजी कोच कोच मोर्ने मॉर्केल के साथ हाथापाई कर रहे थे। ऐसा लगा रहा था जैसे तीनो के बीच डब्ल्यूडब्ल्यूई का मुकाबला हो रहा है। भारतीय टीम के अभ्यास सत्र का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप को कोच मॉर्केल के साथ मस्ती करते देखा जा सकता है। मॉर्केल की सभी गेंदबाजों के साथ अच्छी बनती है और वे काम के दौरान मजाक भी करते रहते हैं। कोच और खिलाड़ियों के बीच अच्छा संबंध बना है। इसी कारण वे एक दूसरे के साथ हंसी मजाक भी करते हैं। इस वीडियो में मॉर्केल और अर्शदीप के बीच टक्कर हो रही है।

मंधाना के शतक से भारतीय टीम ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

एजेंसी

लंदन । कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना के शानदार शतक और अपना पहला ही मैच खेल रही श्री चरणी की अच्छी गेंदबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पहले ही टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से हरा दिया। इस मैच में मिली जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 14.5 ओवरों में ही 113 रनों पर सिमट गयी। भारतीय टीम की जीत

में मंधाना और चरणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मंधाना ने जहां 112 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं श्री चरणी ने 4 विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड की सबसे बड़ी हार है। मंधाना इस मैच में शतक लगाने के साथ ही टी20 में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनी हैं। इस मैच में जीत के लिए मिले 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही आर उसने लगातार विकेट गंवाए। उसकी ओर से केवल कप्तान नेट शीवर ब्रंट ने ही सबसे अधिक 66 रन बनाये। इंग्लैंड के केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों से ऊपर पहुंच पाये। भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी ने 4 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने दो-दो विकेट लिए।इससे पहले भारतीय टीम ने मंधाना के शतक की सहायता से 5 विकेट पर 210 रन बनाये। मंधाना ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 62 गेंद पर 15 चौके और तीन छक्के लगाये। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की सर्वश्रेष्ठ पारी रही है। मंधाना के अलावा हरलीन देओल ने 43 रन और शेफाली वर्मा ने 20 रन बनाये। इस मैच के लिए फिट नहीं होने के कारण नियमित कप्तान हरमनप्रीत के बाहर होने से मंधाना को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी थी। मंधाना ने शेफाली के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में ही 77 रन बना दिये। शेफाली के आउट होने के बाद भी मंधाना और हरलीन ने पारी को आगे बढ़ाया।

शुभमन को अगले तीन साल तक कप्तान बने रहने दें : शास्त्री

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि युवा कप्तान शुभमन गिल की कप्तान का अंदाज काफी अच्छी है। इसलिए अगले तीन साल तक उन्हें अवसर दिया जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कि इस दौरान टीम का प्रदर्शन चाहे कैसा भी रहे शुभमन को नहीं बदला जाना चाहिये। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन को इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बनाया गया था। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले ही टेस्ट में पांच शतक लगाये पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे मैच के दौरान अच्छा था हालांकि कुछ गलतियों के कारण उसे हार झेलनी पड़ी पूर्व कोच के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली व आर अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद शुभमन अब एक बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि गिल में क्लास और शांति का एक अनोखा संगम है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। इसलिए अगर वह कप्तानी में आगे नहीं बढ़ते हैं तो मुझे निराशा होगी। उनमें एक सहज, नजाकत है और जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो उनमें एक शाही अंदाज दिखता है। अगर वह अनुभव से सीख सकते हैं और हालातों के अनुकूल ढल सकते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं सिर्फ उन्हीं का नाम ले सकता हूं।

झारखंड बालक खो-खो टीम ने कांस्य पदक जीत कर रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली । झारखंड बालक सुपर स्पीड खो-खो टीम ने द्वितीय फेडरेशन कप प्रतियोगिता में आज पालम, नई दिल्ली में कांस्य पदक प्राप्त कर इतिहास रचा। फेडरेशन कप पालम ,नई दिल्ली में दिनांक 27 जून से 29 जून तक आयोजित हुई। यह प्रतियोगिता सुपर स्पीड खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मॉ गंगा विद्यालय पालम, नई दिल्ली के प्रांगण में मैट पर आयोजित की गई थी। तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए झारखंड बालक खो-खो टीम ने कड़े संघर्षपूर्ण मैच में नई दिल्ली को 17-15 अंकों से पराजित कर कांस्य पदक प्राप्त कर चमचमाता हुआ ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। झारखण्ड टीम की ओर से कप्तान शिवम नायक,उपकप्तान सन्नी कुमार, अभिषेक उरांव, शिवा कुमार, आकाश कुमार, रोहण कुमार ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। टीम के शानदार प्रदर्शन पर झारखण्ड टीम के चीफ डी मिशन सह झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो एसोसिएशन के महासचिव विवेक कुमार ,झारखंड राज्य खो-खो संघ के अध्यक्ष अजय झा,कोषाध्यक्ष सहजाद कुरैशी, संयुक्त सचिव नीतेश कुमार साहु, संरक्षक सजल बनर्जी , कार्यकारी अध्यक्ष भरत कुमार, वरीय उपाध्यक्ष आशुतोष द्विवेदी, उपाध्यक्ष अखिलेश्वर उपाध्याय, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार, संयुक्त सचिव चन्द्र कान्त लाल,संयुक्त सचिव कुश साहु ,निखिल कुमार, अभिषेक कुमार, दिव्या रानी एवं अन्य सदस्य ने फेडरेशन कप में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर झारखंड टीम के सभी सदस्यों को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाए दी।

तामुलपुर में मैराथन दौड़ का समापन

एजेंसी

तामुलपुर (असम)। भारत-भूटान सीमा पर स्थित दरंगा में तामुलपुर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन फॉर हैप्पीनेस का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उपायुक्त पंकज चक्रवर्ती ने अपने संक्षिप्त भाषण में कहा, मुझे आशा है कि यह पहल राज्य भर में नशाखोरी, बाल विवाह और सड़क सुरक्षा जैसे मुद्दों पर एक सकारात्मक संदेश देगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिगंत कुमार चौधुरी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में फैली बुराइयों जैसे नशा और बाल विवाह को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। स्थानीय विधायक जोलेन दैमारी ने रन फॉर हैप्पीनेस के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन और आम जनता को धन्यवाद देते हुए विशेष रूप से उपायुक्त पंकज चक्रवर्ती का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नीति आयोग द्वारा आयोजित सर्वेक्षण में देश के 500 विकास खंडों में तामुलपुर विकास खंड ने पहला स्थान प्राप्त किया है, जो गर्व की बात है। आज के कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुल 10 विजेताओं–5 पुरुष और 5 महिलाएं–को पुरस्कार प्रदान किए गए।

10 सितंबर से शुरू हो सकता है एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट

एजेंसी

मुम्बई । भारत में होने वाला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 10 सितंबर से शुरू होने की संभावना है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) जुलाई के पहले सप्ताह में छह टीमों के इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी करेगी। अनुमान है कि सितंबर के दूसरे सप्ताह में एशिया कप शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और यूएई की टीमें भी भाग लेंगी। एशिया कप की मेजबानी भारत करेगा पर दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए पाकिस्तान की टीम भारत नहीं आयेगी। ऐसे में एसीसी हाइब्रिड मॉडल के तौर पर पाक के मैच का आयोजन श्रीलंका या यूएई में कर सकता है। इससे पहले पाक में हुई चैम्पियसं ट्रॉफी में भारतीय टीम के मैच यूएई में हुए थे तभी ये करार हुआ था कि पाक टीम भी अपने मुकाबले हाईब्रिड मॉडल के तहत खेलेगी। वहीं अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही टूनार्मेंट पर संशय छा गया था। इसके बाद से ही देश में बहुपक्षीय आयोजनों से भी पाक टीम को बाहर करने की मांग तेज हो गयी थी। भारतीय टीम मुम्बई हमले के बाद से ही पाक से द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेल रही।

क्रिकेटर यश दयाल पर लगा शोषण का आरोप

गाजियाबाद । क्रिकेटर यश दयाल पर धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर यश पर एक लड़की ने शादी का झांसा देकर शारीरिक और मानसिक शोषण का आरोप लगाया है। इस लड़की ने यश की शिकायत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इंदिरापुरम सर्किल ऑफिसर से इस मामले में 21 जुलाई तक जांच रिपोर्ट देने को कहा है। अपनी शिकायत में इस लड़की ने कहा है कि वह पिछले 5 सालों से यश के साथ रिश्ते में थी। इस दौरान यश ने उनसे शादी का वादा किया था पर अब वह इंकार कर रहे हैं। साथ ही उसने यश पर शारीरिक और मानसिक शोषण का भी आरोप लगाया।

ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

- पंत के 5 टेस्ट में 6 शतक के बावजूद 4 हार और 1 ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है। पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंगटन ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया। 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाजी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई। फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी।

स्टीव स्मिथ जल्द वापसी कर सकते है : पैट कमिंस

एजेंसी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मैच में 159 रनों से हराकर सीरीज में बढ़त बना ली। हालांकि, स्कोरलाइन से अलग मैच में वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी, लेकिन कमजोर बल्लेबाजी के चलते उन्हें हार झेलनी पड़ी। खास बात यह रही कि ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मुकाबले में अपने दो प्रमुख बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बिना उतरी। स्मिथ चोटिल होने के कारण बाहर रहे जबकि लाबुशेन को लगातार खराब फॉर्म की वजह से टीम से ड्रॉप किया गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया कि स्मिथ अपनी चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में स्लिप में कैच लेते समय चोट लगी थी। कमिंस के मुताबिक स्मिथ ने न्यूयॉर्क में हल्की प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, उन्होंने न्यूयॉर्क में कुछ ओवर खेले हैं, शायद टेनिस बॉल से ही सही। घाव अब ठीक लग रहा है। अगला स्टेज यहां आकर नेट्स में गेंदें खेलना है। हम आने वाले दिनों में देखेंगे कि वह कब तक पूरी तरह फिट हो पाते हैं।ह्व स्मिथ की कोशिश 3 जुलाई से ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट होकर लौटने की है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को उनकी गैरमौजूदगी काफी खली। पहली पारी में टीम ने 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे, जबकि दूसरी पारी में 65 तक चार विकेट गिर गए। यह 2018 के बाद पहली बार था जब ऑस्ट्रेलिया की टीम स्मिथ और लाबुशेन दोनों के बिना उतरी। लाबुशेन की जगह मिले मौके में युवा सैम कोटास प्रभावित नहीं कर सके। उन्होंने पहली पारी में तीन और दूसरी में सिर्फ पांच रन बनाए और दोनों पारियों में शमार जोसेफ का शिकार बने।

सैमी पर आईसीसी ने लगाया 15 फीसदी जुर्माना

एजेंसी

दुबई । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरन सैमी को टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना महंगा पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सैमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने का दोषी पाते हुए उनपर मैच फीस का 15 फीसदी जुमार्ना लगाया है। सैमी ने मैच के दूसरे दिन डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के फैसलों पर सवाल उठाये थे। सैमी ने मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए तीसरे अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए थे, इसी कारण से उन पर यह जुमार्ना लगाया गया है। इस मैच में वेस्टइंडीज को हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में अंपायर पर एक नहीं पांच-पांच गलत फैसले देने के आरोप लगे। इसमें से चार वेस्टइंडीज के खिलाफ गये जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को डीआरएस के बाद नॉट आउट दिया गया। वहीं वेस्टइंडीज के शाई हॉप के आउट होने पर भी सवाल उठे। सैमी ने रोस्टन चेज और ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन से जुड़े एलबीडब्ल्यू की गलतियों के बारे में भी बताया। सैमी ने कहा था, जो तस्वीरें हम देख रहे हैं, उससे लगता है कि दोनों टीमों के लिए फैसले निष्पक्ष नहीं हैं। मैं इस में स्पष्टता चाहता हूं। सैमी ने मैच अधिकारी के खिलाफ बयान देने के चलते ही आईसीसी ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर भी विरोधी टीम के कप्तान पैट कमिंस से खराब व्यवहार के लिए मैच फीस का 15 फीसदी जुमार्ना लगा था। पहला टेस्ट हारने से तीन मैच की सीरीज में वेस्टइंडीज 0-1 से पीछे है।

बुमराह का वर्कलोड सबसे ज्यादा, उन्हें आराम की जरूरत

एजेंसी

- भारत एजबेस्टन टेस्ट में वापसी की तलाश में लग सकता है झटका

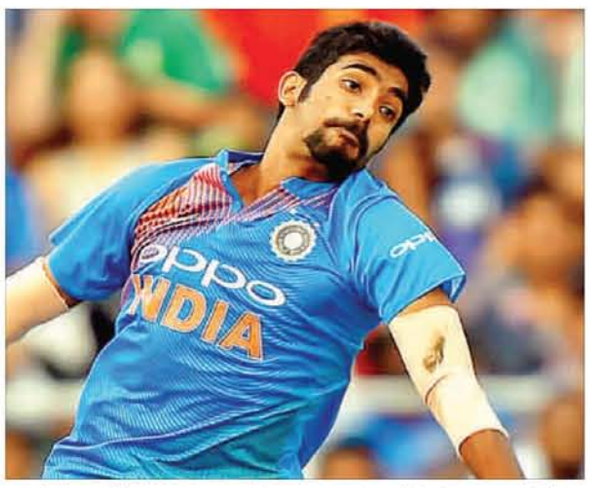

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। पहला मैच हारकर यहां पहुंची शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया की नजरें जोरदार वापसी पर होंगी। हालांकि यह काम आसान नहीं होने वाला है। एजबेस्टन का यह मैदान भारत के लिए कभी भी शुभ नहीं रहा है। भारत आज तक यहां इंग्लैंड को हराने में नाकाम रहा है और इस बार भी चुनौती कड़ी रहने वाली है।

इस मुश्किल में टीम इंडिया को एक और बड़ा झटका लग सकता है। खबर है कि टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट में आराम दिया जा सकता है। टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को लेकर काफी सतर्क है और नहीं चाहता कि वह चोटिल हो जाएं। भले ही पहले और दूसरे टेस्ट के बीच सात दिनों का अंतर है, लेकिन मैनेजमेंट का मानना है कि बुमराह को पूरी तरह से तरोताजा रखना जरूरी है। दरअसल, सीरीज शुरू होने से पहले ही यह साफ कर दिया गया था कि बुमराह सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। योजना के मुताबिक वह पहला और तीसरा टेस्ट जरूर खेलेंगे और फिर सीरीज की स्थिति देखकर चौथे या पांचवें मैच के लिए फैसला करेंगे। पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे का उदाहरण टीम मैनेजमेंट की सोच को सही साबित करता है। तब बुमराह ने सभी पांच टेस्ट मैच खेले थे और इसके बाद उन्हें चोट ने परेशान किया। इस बार टीम कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहती। हालांकि, इस फैसले को लेकर कई दिग्गज और फैंस सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि अगर दो मैचों के बीच सात दिन का ब्रेक है तो क्या वह आराम के लिए काफी नहीं है? यह सवाल भी उठ रहा है कि इतने अहम मौके पर भारत अपने सबसे भरोसेमंद गेंदबाज को कैसे बाहर बैठा सकता है।

बुमराह के वर्कलोड पर नजर डालें तो टीम मैनेजमेंट का फैसला समझ आता है। इस समय दुनिया के किसी भी तेज गेंदबाज पर उतना काम का बोझ नहीं है जितना बुमराह पर। 1 जनवरी 2024 से अब तक बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा ओवर फेंके हैं। उन्होंने 410.4 ओवर गेंदबाजी की है और इस दौरान 78 विकेट भी हासिल किए हैं। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क का नंबर आता है, जिन्होंने 362.3 ओवर में 48 विकेट लिए हैं। पैट कमिंस ने 359.1 ओवर में 51 विकेट चटकाए हैं। भारतीय गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी इस दौरान 355.3 ओवर फेंके हैं और 41 विकेट हासिल किए हैं। वास्तव में, बुमराह ने भारत के लिए सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा ओवर भी फेंके हैं, उनके बाद रवींद्र जडेजा 400.1 ओवर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इन आंकड़ों से साफ है कि बुमराह भारतीय बॉलिंग अटैक की रीढ़ बने हुए हैं और उनका फिट रहना टीम के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यही वजह है कि टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को मैनेज करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। एजबेस्टन टेस्ट में उनकी गैरमौजूदगी भारत के लिए चुनौती जरूर बढ़ाएगी, लेकिन लंबी सीरीज को देखते हुए यह फैसला रणनीतिक माना जा रहा है।

जगरेब में महिलाओं के एकल डब्लयूटीटी सेमीफाइनल में रिटर्न शॉट लगाती हुई जापान की निगासाकी मियू।

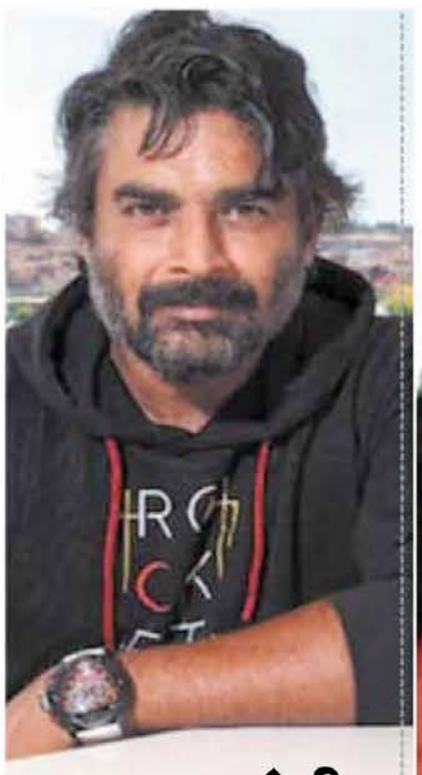

22 साल छोटी फातिमा के साथ रोमांस करते नजर आएंगे माधवन

बुधवार को आर माधवन और फातिमा सना शेख की आने वाली फिल्म आप जैसा कोई का ट्रेलर रिलीज किया गया। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 11 जुलाई को स्ट्रीम होगी। फिल्म में आर माधवन और फातिमा सना शेख की जोड़ी काफी हटकर नजर आ रही है। प्यार और उसके खूबसूरत अहसास फिल्म के ट्रेलर में नजर आते हैं। मगर आर माधवन और फातिमा सना शेख के किरदारों का प्यार अंजाम तक नहीं पहुंच पता है। आखिर ऐसा क्यों होता है? जानिए।

अलग तरह की लव स्टोरी दिखी

फिल्म के ट्रेलर में नजर आता है कि 42 साल के श्रीरेणु (आर माधवन) की अब तक शादी नहीं हुई। वह एक संस्कृत टीचर हैं। अचानक एक 32 साल की मधु (फातिमा सना शेख) का रिश्ता श्रीरेणु के लिए आता है। लड़की भी टीचर है। दोनों जब मिलते हैं तो इनके बीच प्यार का रिश्ता पनपता है। दस साल का फर्क भी मायने नहीं रखता है। श्रीरेणु ओल्ड स्कूल रोमांस में विश्वास करता है। वहीं मधु काफी मॉर्डन लड़की है। इनकी शादी भी तय होती है, मगर एक कारण से रिश्ता टूट जाता है।

प्यार पर हावी पितृसत्ता वाली सोच

शादी टूटने का कारण बस इतना है कि श्रीरेणु और उसके घर के पुरुष की सोच पितृसत्ता से घिरी है। महिलाओं को एक सीमा में रहकर कोई काम करना चाहिए, ऐसा वे लोग सोचते हैं। मगर मधु को यह सोच बर्दाश्त नहीं है। इसी कारण से श्रीरेणु और मधु की राहें शादी से पहले ही अलग हो जाती हैं।

मैंने हर किरदार से कुछ न कुछ सीखा है

लोकप्रिय टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम अभिनेता रोहित पुरोहित ने टेलीविजन करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। रोहित ने बताया कि जब उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, तब वह नए थे, लेकिन समय के साथ वह लगातार सीखते गए और खुद को बेहतर बनाया। अभिनेता का मानना है कि उन्होंने अपने हर एक किरदार से कुछ न कुछ सीखा है। रोहित ने बताया, जब मैंने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, तब मुझे कुछ नहीं पता था। मैं काम में बहुत कच्चा था। अब मैं अपने काम में ज्यादा आत्मविश्वास महसूस करता हूं। मैंने हर किरदार से कुछ न कुछ सीखा है और लगातार सीख रहा हूं। यह बड़ी उपलब्धि की तरह है। रोहित ने जानकारी दी कि उन्होंने कभी किसी एक्टिंग स्कूल में ट्रेनिंग नहीं ली, लेकिन उनके साथ काम करने वाले प्रतिभाशाली निर्देशकों और को-एक्टर्स ने बहुत कुछ सिखाया। करियर में अब तक 20 से ज्यादा शो कर चुके रोहित का मानना है कि हर किरदार में पूरी मेहनत और दिल लगाना जरूरी है। काम को दिल से करना चाहिए। उन्होंने बताया, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि छोटा हो या बड़ा सीन, हर पल को खास बनाना चाहिए। हर शॉट में सच्चाई लानी पड़ती है। आप सिर्फ किरदार नहीं निभाते, बल्कि हर पल को जीते हैं। अपने किरदार को मजबूत करने के लिए दिल से काम करना जरूरी है।

एक्टिंग के लिए न्यूट्रल रहना जरूरी

एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा स्टारर फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' रिलीज को तैयार है, जिसे लेकर कोंकणा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि एक्टिंग से पहले कलाकार को शांत और न्यूट्रल रहना चाहिए। कोंकणा ने कहा कि काम के दौरान बाहरी शोर और निजी भावनाओं से दूरी बनाना एक्टिंग के लिए बेहद जरूरी है। इससे फोकस करने में मदद मिलती है। कोंकणा ने बताया कि निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करने का अनुभव बेहतरीन रहा और वह अक्सर उनके साथ सीन, किरदार और कहानी को लेकर सेट पर चर्चा करती थीं। उन्होंने बताया, हमने किरदारों और उनकी दुनिया के बारे में थोड़ी बात की। सेट पर सब कुछ मूड पर निर्भर करता है। कोंकणा ने बताया कि सेट का माहौल निर्देशक से शुरू होता है, जो फिर विभाग प्रमुखों (एचओडी) और एक्टर्स तक पहुंचता है। उन्होंने बताया, अनुराग के सेट पर होने से निगेटिव, स्ट्रेस या आलोचना का माहौल नहीं बनता। एक एक्टर को न्यूट्रल रहना पड़ता है, क्योंकि आपको किसी और किरदार को जीना होता है। अगर आप तनाव या नकारात्मक भावनाओं से भरे हैं, तो यह आपकी एक्टिंग में भी दिखाई देता है। कोंकणा ने इस बात पर जोर दिया कि अभिनय से पहले अपनी निजी भावनाओं को पीछे छोड़ना जरूरी है, ताकि किरदार को पूरी तरह जिया जा सके।

मेट्रो इन दिनों साल 2007 में रिलीज हुई लाइफ इन ए मेट्रो का सीक्वल है। लाइफ इन एज मेट्रो में धर्मेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के.के. मेनन, शाइनी आहूजा, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत और शरमन जोशी नजर आए थे। वहीं, मेट्रो इन दिनों की बात करें तो इसमें कोंकणा सेन शर्मा के साथ पंकज त्रिपाठी के अलावा कई जाने-माने कलाकार हैं, जिनमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता भी हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पर्दे पर 'मां' का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण

अभिनेत्री काजोल अपनी अपकमिंग हॉरर फिल्म मां को लेकर उत्साहित हैं। हॉरर फिल्म में काजोल 'मां' के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में काम करना और पर्दे पर मां के किरदार को निभाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा। बातचीत में काजोल ने बताया कि हर सीन में तनाव, चिंता और मां की भावनाओं को दिखाना था, जो आसान नहीं था। इसी वजह से यह किरदार उनके लिए खास और चुनौतीपूर्ण बन गया।

काजोल का मानना है कि वह पहले भी कई फिल्मों में मां का किरदार निभा चुकी हैं, लेकिन मां में उनका किरदार अलग है। हॉरर फिल्म होने के कारण इसके हर सीन में एक खास तनाव और भावनात्मक गहराई की जरूरत थी। काजोल ने कहा, मुझे हॉरर फिल्में ज्यादा पसंद नहीं हैं, इसलिए मुझे नहीं पता था कि इस तरह की फिल्मों में पूरे समय एक खास भावनात्मक स्तर बनाए रखना पड़ता है। एक एक्टर के तौर पर आपको हर पल, हर शॉट में अलर्ट रहना पड़ता है। यह भावनात्मक रूप से बहुत थका देने वाला था। पूरे दिन उस तनाव को बनाए रखना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'मां' हॉरर फिल्म है, लेकिन इसमें इमोशन्स भी हैं। यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में काम करने का फैसला लिया। अगर इसमें इतना मजबूत भावनात्मक आधार न होता, तो शायद मैं इस फिल्म को हां नहीं कहती। यह सिर्फ हॉरर नहीं, बल्कि माइथोलॉजिकल हॉरर है, जिसमें कल्चर और थ्रिलर का सही मिश्रण है।

माइथोलॉजिकल-हॉरर की दुनिया में कदम रखने जा रहीं काजोल ने फिल्म के टाइटल की तारीफ करते हुए कहा कि इस फिल्म के लिए 'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं हो सकता था। काजोल का मानना है कि 'मां' वह पहला शब्द है जिसे बच्चे न केवल सबसे पहले बोलते हैं बल्कि महसूस भी करते हैं। बच्चा सबसे पहले अपनी मां की ओर मुड़ता है। यह वर्किंग टाइटल था, लेकिन इसे बनाते समय यह शब्द टीम को इतना गहरा लगा कि इसे ही स्थाई टाइटल बनाने का फैसला लिया गया।

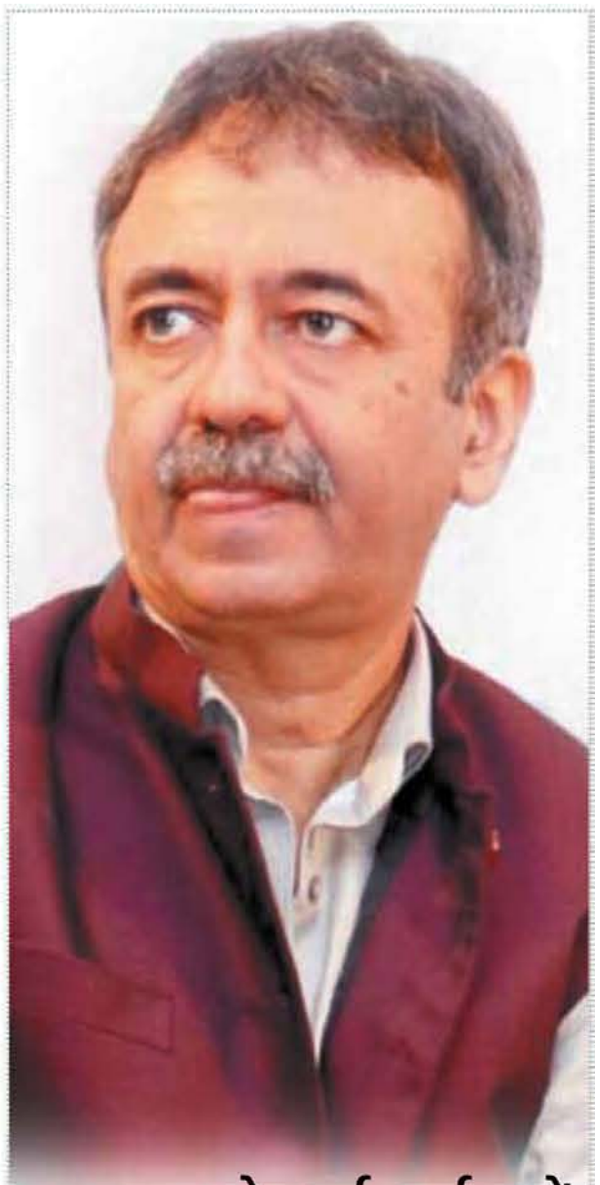

माय मेलबर्न पार्ट टू में साथ काम करेंगे राजकुमार हिरानी और शूजित सरकार

एंथोलॉजी फिल्म माय मेलबर्न के निर्माता इसका अगला पार्ट लेकर आ रहे हैं। इसका निर्देशन भारत के मशहूर निर्देशक राजकुमार हिरानी, अंजलि मेनन, शूजित सरकार और ओनिर करेंगे। यह चारों निर्देशक माय मेलबर्न के लिए अलग-अलग कहानियां बनाएंगे। हर कहानी में मेलबर्न शहर की संस्कृति, लोग और अनुभवों को दिखाया जाएगा।

माय मेलबर्न फिल्म माइंड ब्लोइंग फिल्म्स कंपनी बना रही है और इसे इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) पेश कर रहा है। इस फिल्म का मकसद भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों की सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करना है।

राजकुमार हिरानी ने कहा, मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। यह प्रोजेक्ट फिल्म के जरिए अलग-अलग तरह के इंसानी अनुभवों को दिखाता है और साथ ही दो विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है। माय मेलबर्न मुझे एक ऐसी कहानी कहने का मौका देती है जो दिल से जुड़ी हुई है। इसमें संस्कृति की झलक मिलती है।

शूजित सरकार ने कहा, कहानियां सुनाने की कोई सीमा नहीं होती। माय मेलबर्न एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो यह साबित करता है कि कहानियां चाहे किसी भी जगह से जुड़ी होती हैं, पूरी दुनिया के लोगों के दिलों को छू सकती हैं। मैं इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं, जो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बातचीत और समझ को बढ़ावा देती है।

माय मेलबर्न फिल्म मार्च 2025 में भारत और ऑस्ट्रेलिया में रिलीज हुई थी। इसमें चार जाने-माने डायरेक्टर्स ने काम किया, जिनमें रीमा दास, ओनिर, इम्तियाज अली और कबीर खान शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर अलग-अलग विषयों, पहचान, लिंग, नस्ल/जाति, सेक्सुअलिटी और विकलांगता जैसे मुद्दों पर कहानियां बनाई। अंजलि मेनन ने कहा, माय मेलबर्न का विषय और इसका मकसद मेरी पसंदीदा कहानियों के जैसा है। ऐसी कहानियां जो लोगों में समझ और भावना जगाती हैं और उन्हें एक-दूसरे के करीब लाती हैं। मैं इस इंटरनेशनल प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। डायरेक्टर ओनिर, जो पहले भी माय मेलबर्न में काम कर चुके हैं, उन्होंने कहा, माय मेलबर्न के दूसरे पार्ट में वापस आना ऐसा है जैसे किसी अधूरी कहानी को फिर से शुरू करना। नई कहानियां और नए नजरिए के साथ काम करने का मौका मिलना, और उस सफर को जारी रखना जिसमें मैं दिल से यकीन करता हूं, मेरे लिए बहुत खुशी और संतुष्टि की बात है।

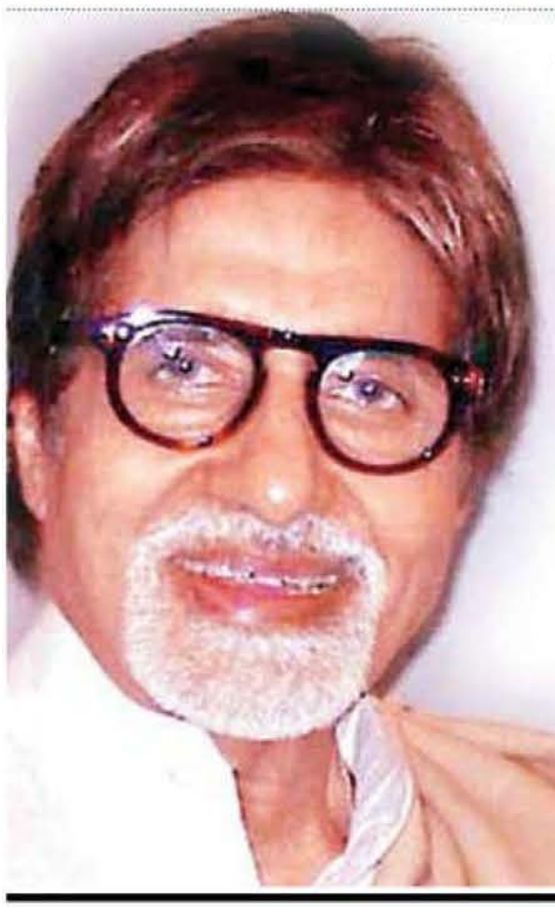

सितारे जमीन पर से लेकर चीनी कम तक, अमिताभ से लेकर आमिर तक ने निभाए बुजुर्ग किरदार

फिल्म सितारे जमीन पर इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म में एक कोच की कहानी दिखाई गई है, जो दिव्यांग बच्चों को बास्केटबॉल सिखाता है। हालांकि कोच बच्चों को देखकर भड़क जाता है लेकिन उसे करतार पाजी नाम का किरदार समझाता है। इस किरदार को गुरपाल सिंह ने बहुत दमदार तरीके से निभाया है। ऐसे में हम आपको उन फिल्मों के बारे में बता रहे हैं, जिसमें उम्र दराज लोगों ने दमदार किरदार निभाया है।

चीनी कम

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म चीनी कम में एक ऐसे उम्र दराज आदमी की कहानी दिखाई गई है, जिसे 64 साल की उम्र में इश्क हो जाता है। कई परेशानियां उठाने के बाद दोनों शादी कर लेते हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और तब्बू ने बेहतरीन अदाकारी की है।

आंखों देखी

आंखों देखी फिल्म में एक ऐसे आम इंसान की कहानी दिखाई गई है जिसकी बेटी अपने पसंदीदा लड़के से शादी करना चाहती है। हालांकि उम्र दराज शख्स अपनी बेटी की शादी कहीं और करना चाहता है। जब उम्र दराज शख्स लड़के से मिलता है तो उसकी राय बदल जाती है। फिर वह आंखों देखी चीजों पर भरोसा करने लगता है। फिल्म में संजय मिश्रा ने उम्र दराज शख्स का किरदार निभाया है।

निशब्द

साल 2007 में फिल्म निशब्द रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक उम्र दराज आदमी को अपनी बेटी की सहेली से इश्क हो जाता है। लड़की भी उम्र दराज शख्स से प्यार करने लगती है। इस रिश्ते की वजह से उम्र दराज शख्स की पत्नी और बेटी से रिश्ता खराब हो जाता है। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने उम्र दराज शख्स का किरदार बहुत अच्छे तरीके से निभाया है।

बुड्ढा होगा तेरा बाप

साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म बुड्ढा होगा तेरा बाप में ऐसे उम्र दराज आदमी की कहानी दिखाई गई है जिसे लोग बेबस और कमजोर समझते हैं लेकिन वह उम्र दराज शख्स अपने आपको उम्र दराज कहलाना बिलकुल पसंद नहीं करता है। फिल्म में उम्र दराज शख्स को एक्शन करते हुए दिखाया गया है। इसमें अमिताभ बच्चन ने उम्र दराज शख्स का किरदार बखूबी निभाया है।

विजय 69

साल 2024 में रिलीज हुई इस फिल्म में एक पूर्व तैराकी प्रशिक्षक की कहानी दिखाई गई है। फिल्म की कहानी तब दिलचस्प हो जाती है जब एक उम्र दराज व्यक्ति अपनी पूर्व पत्नी के ट्रायथलॉन के सपने को पूरा करने की ठान लेता है। फिल्म में उम्र दराज शख्स के जज्बे को दिखाया गया है। इस किरदार को अनुपम खेर ने निभाया है।

सैयारा पहले थी आशिकी 3 की कहानी

फिल्ममेकर मोहित सूरी ने बताया है कि उन्हें रोमांटिक फिल्मों से खास आशिकी है। उनकी आने वाली फिल्म सैयारा को पहले आशिकी 3 नाम दिया जाने वाला था, लेकिन बाद में कुछ बदलाव किया गया और अब यह सैयारा के नाम से रिलीज होने वाली है। मोहित ने कहा, हर किसी की लव स्टोरी अलग, खास और दिल को छूने वाली होती है। मोहित ने कहा, रोमांटिक फिल्मों से मेरी गहरी आशिकी है। मैं अपने करियर में प्यार जैसे जज्बात के हर पहलू को दिखाना चाहता हूं। मोहिन ने बताया कि उन्होंने पहले जो कहानी सोची थी, वह आशिकी 3 के लिए थी, लेकिन उस समय आशिकी 3 नहीं बन पाई। अब वही कहानी सैयारा बन गई है। मोहित ने कहा, सैयारा एक मजबूत लव स्टोरी है, जो बहुत कम उम्र में होने वाले प्यार को दिखाती है। यही बात इस फिल्म को खास और नया बनाती है।

प्रधानमंत्री का प्रत्येक शब्द प्रेरणादायक है: डॉ. महेश शर्मा

हर मंडल में कार्यकर्ताओं ने सुनी मोदी की 'मन की बात'

नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो शो 'मन की बात' के जरिए लोगों से बात की। इसके चलते नोएडा महानगर में सभी बूथों पर मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सांसद डॉ महेश शर्मा ग्राम सभा छलेरा स्थित बूथ संख्या-464 पर रहे। जिलाध्यक्ष महेश चौहान बूथ नो 485 ग्राम सलारपुर में रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 123वें संस्करण में देशवासियों से संवाद करते हुए एक बार फिर लोकतंत्र की ताकत, भारत की सांस्कृतिक विविधता और आम लोगों की असाधारण कहानियों को प्रमुखता दी। इस एपिसोड में उन्होंने आपातकाल की विभीषिका, बोरोलैंड की नई पहचान, ऐरी सिल्क की खासियत, और सामाजिक सेवा में जुटे नागरिकों का उल्लेख करते हुए एक प्रेरणादायक संदेश दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 1975 में लगाए गए आपातकाल को भारत के लोकतंत्र के इतिहास में सबसे काले अध्यायों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि उस समय अभिव्यक्ति की आज़ादी को कुचल दिया गया था।

सांसद महेश शर्मा ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का प्रत्येक शब्द प्रेरणादायक

है। उनका ये संवाद सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की धड़कन है, जो नए भारत की आकांक्षाओं और संकल्पों को स्वर देता है। प्रधानमंत्री के आज की 'मन की बात' सुनकर फिर यह विश्वास और भी प्रबल हुआ कि हमारा देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने फिर 'वोकल फॉर लोकल' की बात को दोहराते हुए कहा कि हम अपने देश में निर्मित सामानों का ही उपयोग करें, तभी देश विकसित होगा और आगे बढ़ेगा।

कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया सहप्रभारी अमित त्यागी, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, मंडल अध्यक्ष नीरज चौधरी, प्रदीप चौहान, गौतम शर्मा, मनीष तिवारी, राम किशन यादव, सत्यनारायण माहवार, दीनबंधु कुमार, प्रमोद बहल, अशोक मिश्रा, ओमवीर अवाना, नीरज चौहान, बबलू यादव, नरेश शर्मा, विपिन सिंह, सुरेंद्र बिस्ट, सुचित्रा कक्कड़, रचना शर्मा, भूपेश चौधरी, ओम यादव, अतुल त्यागी, प्रज्ञा शर्मा, धर्मेंद्र चौहान, राजेंद्र अवाना, प्रमोद शर्मा, कमल, समीर बाथम, मनोज चौहान, तारा चंद, शिवांश श्रीवास्तव, मुक्त नंद, राम मेहर, चमन अवाना आदि सभी कार्यकर्ता अपने अपने बूथों पर रहे।

राकेश कुमार सिंह बने यमुना एक्सप्रेसवे विकास प्राधिकरण के सीईओ

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बार फिर विकास प्राथमिकताओं को गति देने के इरादे से आईएएस राकेश कुमार सिंह को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (CEO) नियुक्त किया गया है, साथ ही उन्हें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) परियोजना का मुख्य प्रभारी अधिकारी भी बनाया गया है।

अब तक मुख्यमंत्री कार्यालय में सचिव पद पर कार्यरत राकेश कुमार सिंह की गिनती मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भरोसेमंद अधिकारियों में होती है। उनकी कार्यशैली तेज, परिणामोन्मुखी और समन्वय आधारित मानी जाती है। इन दोनों जिम्मेदारियों को उनके कंधों पर सौंपे जाने का निर्णय इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार अब जेवर एयरपोर्ट जैसी मेगा परियोजनाओं को और आक्रामक ढंग से आगे बढ़ाना चाहती है।

राकेश कुमार सिंह 2004 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे इससे पहले राजस्व, शहरी विकास, श्रम, वाणिज्य, व आबकारी विभागों में भी कार्य कर चुके हैं। उन्हें नीतिगत पारदर्शिता, फाइल प्रोसेसिंग की गति और इंटर डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन के लिए प्रशासनिक हलकों में जाना जाता है। उनकी नई भूमिका में उनसे अपेक्षा की जा रही है कि वे जेवर एयरपोर्ट को तय समयसीमा में पूरा कराएं, यीडा क्षेत्र में निवेशकों को सहजता से भूमि आवंटन और सेवाएं दिलाएं, और स्थानीय जनता के हितों की रक्षा करते हुए संतुलित विकास को सुनिश्चित करें। इन दोनों पदों पर उनकी नियुक्ति से स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश सरकार गौतमबुद्ध नगर क्षेत्र को उत्तर भारत के सबसे बड़े आर्थिक हब के रूप में विकसित करने को लेकर बेहद गंभीर है। आने वाले समय में ये दोनों संस्थाएं यीडा और नोएडा एयरपोर्ट राज्य के आर्थिक नक्शे को नई दिशा देने वाली आधारशिला साबित हो सकती हैं।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों ने कराई जांच

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-37 स्थित ट्रामा एंड जॉइंट क्लीनिक एवं रवि मेडिकल स्टोर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को एक विशाल निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महिलाओं, पुरुषों, बच्चों व बुजुर्गों सहित सभी वर्गों के लिए मुफ्त जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर स्थानीय निवासियों ने शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न प्रकार की शारीरिक जांचें करवाईं। आयोजनकर्ता समाजसेवी संतोष गुप्ता एवं रवि भूषण ने बताया कि जांच के बाद जिन मरीजों को दवाइयों का वितरण किया गया।

शिविर में वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल गुप्ता अपनी सहयोगी मेडिकल टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने हड्डियों की विशेष जांच से लेकर अन्य सभी जरूरी स्वास्थ्य जांचें कीं।

संतुलित मात्रा में ही करें उर्वरक का प्रयोग : विवेक दुबे

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जिला कृषि अधिकारी गौतमबुद्धनगर विवेक दुबे ने जनपद के समस्त कृषकों को बताया कि खरीफ के अन्तर्गत बोयी गयी/बोयी जाने वाली फसलों में संतुलित मात्रा में ही उर्वरकों का प्रयोग किया जाये। अधिक उर्वरकों के प्रयोग से मृदा की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है। संस्तुत मात्रा में उर्वरकों के प्रयोग से फसलों की उत्पादकता एवं गुणवत्ता बहुत अच्छी रहती है।

खरीफ में बोयी जाने वाली जनपद की मुख्य फसल धान है। धान के लिए नत्रजन 120 कि0ग्राम/हे0, फास्फोरस 60 कि0ग्रा0/हे0, एवं पोटाश 60 कि0ग्रा0/हे0 संस्तुत है। इसी प्रकार मक्का की फसल हेतु नत्रजन 100 कि0ग्राम/हे0, फास्फोरस 60 कि0ग्रा0/हे0, एवं पोटाश 40 कि0ग्रा0/हे0 संस्तुत है। मूंग की फसल हेतु नत्रजन 15 कि0ग्राम/हे0, फास्फोरस 60 कि0ग्रा0/हे0, एवं सल्फर 25 कि0ग्रा0/हे0 की सस्तुति की जाती है। उर्द हेतु नत्रजन 15 कि0ग्राम/हे0, फास्फोरस 40 कि0ग्रा0/हे0, एवं सल्फर 25 कि0ग्रा0/हे0 संस्तुत है। जनपद में वर्तमान मे पर्याप्त मात्रा में नाइट्रोजन एवं फास्फेटिक उर्वरकों की मात्रा उपलब्ध है।

वर्तमान में जनपद में यूरिया 6442 मै0टन, डी0ए0पी0 780 मै0टन, एन0पी0के0 343मै0टन, नैनो यूरिया 9546 बोतल एवं नैनों डी0ए0पी0 की 2399 बोतल (प्रत्येक 1/2 ली0) उपलब्ध है। उर्वरकों का निर्धारित दरों पर वितरण सहकारिता एवं प्राइवेट विक्रय केन्द्रों के द्वारा पी0ओ0एस0 मशीन से किया जा रहा है।

उर्वरक की कालाबाजारी या टैगिंग हुई तो होगी कड़ी कार्रवाई : जिला कृषि अधिकारी

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में खरीफ 2025 सीजन में उर्वरकों की सुचारु आपूर्ति, ओवररेटिंग, कालाबाजारी तथा टैगिंग जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कृषि अधिकारी विवेक दुबे की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक विगत दिवस सम्पन्न हुई।

बैठक में उर्वरक प्रदायकर्ता कम्पनियों के प्रतिनिधि एवं जनपद के थोक उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे।

उन्होंने यह स्पष्ट निर्देश दिये कि यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी, टीएसपी, एसएसपी जैसे मुख्य उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग न की जाये। टैगिंग की स्थिति में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 तथा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत विधिक कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश शासन के स्पष्ट निर्देश हैं।

खुदरा मूल्य से अधिक दर पर उर्वरकों की बिक्री करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि उर्वरकों का वितरण किसानों को उनकी भूमि जोत संबंधी अभिलेख एवं आधार कार्ड के आधार पर पीओएस मशीन के माध्यम से ही किया जाए। प्रत्येक विक्रेता को स्टॉक पंजिका, विक्रय पंजिका और रसीद अनिवार्य रूप से रखनी होगी अथवा तिथि अनुसार अद्यतन डिजिटल रजिस्टर रखना होगा।

फुटकर विक्रेताओं को भी अपने प्रतिष्ठान पर स्टॉक बोर्ड प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा जिसमें उर्वरकों का नाम, उपलब्ध स्टॉक और बिक्री दर स्पष्ट रूप से अंकित हों। किसानों को उनकी जोत और फसल संस्तुति के अनुसार ही उर्वरक विक्रय किया जाए।

जिला कृषि अधिकारी ने यह भी कहा कि जनपद को आवंटित उर्वरकों का विक्रय जनपद के बाहर के खुदरा विक्रेताओं या किसानों को न किया जाये। थोक विक्रेता केवल उन्हीं फुटकर विक्रेताओं को उर्वरक उपलब्ध कराएं जिनके पास वैध लाइसेंस हो और जो सक्रिय रूप से कार्यरत हों। साथ ही, आपूर्ति की पुष्टि फुटकर विक्रेताओं द्वारा समय से की जानी चाहिए।

यदि किसी भ्रमण के दौरान यह शिकायत प्राप्त होती है कि थोक विक्रेता द्वारा अधिक मूल्य वसूला गया या टैगिंग की गई, तो उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। सभी थोक विक्रेताओं को फार्म 'ओ' अपने प्राधिकार पत्र पर अंकित कराते हुए स्टॉक का अद्यतन रजिस्टर बनाए रखना अनिवार्य किया गया है।

बैठक के अंत में जिला कृषि अधिकारी ने सभी उपस्थित कम्पनी प्रतिनिधियों एवं थोक विक्रेताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राविधिक सहायक दिव्यम यादव, इफको के बीएस चौधरी, कृभको के नरेन्द्र कुमार, आईपीएल के सनलन श्रीवास्तव, एनएफएल के ए के सिंह, सीएफसीएल के आलोक चौधरी, इंडोरामा के पंकज कुमार, एचयूआरएल के नीरज चौधरी सहित अनेक प्रतिष्ठित थोक उर्वरक विक्रेता एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

गौतमबुद्धनगर जिला पंचायत की अपर मुख्य अधिकारी श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी के गृह प्रवेश के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पं. पीतांबर शर्मा अपनी धर्मपत्नी सहित सम्मिलत हुए। इस मौके पर श्री शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती धर्मवती शर्मा ने अपर मुख्य अधिकारी श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी तथा उनके परिजनों की बधाई दी। इस मौके पर सीडीओ विद्यानाथ शुक्ल भी मौजूद थे।

पनीर के नाम पर तैयार हो रहा था जहर

14 किलो नकली पनीर बरामद, चार गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-63 पुलिस ने अलीगढ़ में नकली पनीर बनाने वाली एक फैक्टरी का पर्दाफाश किया है। जहां से यह जहरीला पनीर नोएडा, दिल्ली और एनसीआर के अन्य शहरों में सप्लाई किया जा रहा था। इस गिरोह से जुड़े चार आरोपियों गुड्डू उर्फ हरीश, गुलफाम, नावेद और इकलाख को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नोएडा पुलिस ने इन आरोपियों के पास से 14 कुंतल नकली पनीर जब्त किया है जिसे नीले ड्रमों में भरकर शहर में बेचने लाया जा रहा था। यह पनीर केमिकल, रिफाइंड ऑयल और रंग मिलाकर तैयार किया गया था इसमें दूध नाम मात्र को भी इस्तेमाल नहीं होता था।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी के अनुसार, शनिवार रात पुलिस की नियमित चेकिंग के दौरान एक महिंद्रा पिकअप को रोका गया। जब उसमें रखे ड्रम खोले गए तो उसमें पनीर जैसा कुछ मिला। शक होने पर पूछताछ की गई, जिसमें चालक गुलफाम और उसके साथियों नावेद व इकलाख ने नकली पनीर की बात कबूल की। पुलिस ने गुलफाम की निशानदेही पर रविवार को अलीगढ़ के पिसावा थाना क्षेत्र के सहजपुरा गांव में छापा मारा, जहाँ नकली पनीर बनाने की फैक्टरी चल रही थी।

फैक्टरी को दो भाई अफसर और गुड्डू खान चला रहे थे। अफसर अक्सर फरीदाबाद में रहता है, इसलिए मौके पर सिर्फ गुड्डू मिला। पूछताछ में पता चला कि यह धंधा पिछले छह महीनों से चल रहा था। पुलिस ने मौके से दो बोरियों में लगभग 50 किलो ऐसा पाउडर जब्त किया जिस पर

'मिल्क पाउडर' लिखा था। इसके अलावा दो टीन पॉम ऑयल, रिफाइंड ऑयल, 4 किलो केमिकल, एक मिक्स ग्राइंडर और रंग की दो शीशियां भी बरामद की गईं। जांच में सामने आया कि पनीर बनाने के लिए दूध का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया जाता था। उसकी जगह चावल और सोयाबीन का घोल, पाउडर, केमिकल और रंग मिलाकर ऐसा मिश्रण तैयार किया जाता था जो देखने में बिल्कुल पनीर जैसा लगे, महके और स्वाद में भी वैसा ही लगे। डीसीपी के अनुसार, यह नकली पनीर कितना खतरनाक है, इसका पता लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) से जांच करवाई गई है। नमूने को आगरा की लैब में भेजा गया है।

यह नकली पनीर नोएडा के विभिन्न स्थानीय बाजारों जैसे-छिजारसी, बहालोलपुर, हरौला, बरौला, सलारपुर, भंगेल और अन्य पटरी बाजारों में बेचा जाता था। इसकी कीमत 160 से 240 रुपये प्रति किलो तक थी, जो आम लोगों को सस्ता पनीर समझकर खरीदने पर मजबूर कर रही थी।

असली पनीर मुलायम और दानेदार होता है, जबकि नकली पनीर अधिक चिकना और कठोर हो सकता है। असली पनीर का रंग दूध जैसा सामान्य सफेद होता है। अगर पनीर बहुत चमकीला सफेद या हल्का पीला हो तो वह नकली हो सकता है। पनीर का टुकड़ा पानी में उबालें, फिर ठंडा होने पर उस पर आयोडीन टिंचर डालें। अगर रंग नीला हो जाए, तो वह पनीर नकली है। असली पनीर का स्वाद दूध जैसा होता है और वह मुंह में आसानी से घुल जाता है। नकली पनीर बेस्वाद और रबड़ जैसा लगता है।

भाजपा ने वोट की खातिर जातिवाद को दिया बढ़ावा : सनातन पांडेय

भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने किया सांसद का स्वागत

दादरी (चेतना मंच)। दादरी के जीटी रोड पर स्थित आरवी नॉर्थलैंड हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पहुंचे बलिया के सांसद सनातन पांडे का जोरदार स्वागत किया गया। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा सहित अन्य लोगों ने उन्हें पगड़ी पहनाकर तथा गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया।

सांसद सनातन पांडे ने सरकार की नीतियों पर कटाक्ष किया और कहा कि जो मुद्दे सरकार के खिलाफ जाते हैं उन पर संसद में बहस नहीं होती है। वर्तमान में भारत की विदेश नीति भी कमजोर हो चुकी है।

भाजपा ने वोट बैंक की खातिर जातिवाद को बढ़ावा दिया है जिससे आपसी विद्वेष बढ़ा है। इस मौके पर सांसद सनातन पांडे के साथ आए जनेश्वर मिश्रा के भतीजे अंगद मिश्रा का भी सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पीतांबर शर्मा के अनुज वेदराम शर्मा, अशोक शर्मा, सुपुत्र कपिल शर्मा, हर्षित शर्मा, सपा के जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी, राधाचरण भाटी, देवेंद्र खटाना एडवोकेट, जीपी शर्मा, सोमनाथ शर्मा, योगेश्वर, अतुल शर्मा, डॉक्टर वंदना वशिष्ठ, रामवीर शर्मा, भारत भूषण शर्मा, राजू शर्मा उर्फ राजकुमार शर्मा, पुरुषोत्तम शर्मा, शिवकुमार शर्मा, लोकेश शर्मा, रामकुमार शर्मा, रतनवीर

शर्मा, टीकाराम शर्मा, सतीश चंद्र शर्मा, पीके शर्मा, रामगोपाल शर्मा, रामवीर शर्मा एडवोकेट, ज्ञानचंद शर्मा, नरेंद्र शर्मा, चंद्रपाल शर्मा सहित क्षेत्र के अनेक लोग मौजूद थे।